राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 19 जनवरी–2022 वर्ष–4,अंक–357 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

राष्ट्रीय ध्वज को लेकर लोगों में जागरूकता की कमी, राज्य सुनिश्चित करे तिरंगे का न हो अपमानः गृह मंत्रालय

(एजेंसी)।

केंद्र ने गणतंत्र दिवस से पहले सरकारी संगठनों, एजेंसियों और लोगों में राष्ट्रीय ध्वज को फहराने संबंधी नियमों एवं परंपराओं के बारे में ''जागरुकता के स्पष्ट अभाव'' को रेखांकित किया है और राज्यों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि तिरंगे का अपमान नहीं हो। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को भेजे एक संवाद में कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि लोग सांस्कृतिक एवं खेल कार्यक्रमों में भाग लेते समय केवल कागज के झंडों का इस्तेमाल करें और इन झंडों को जमीन पर फेंकने के बजाय गरिमा के अनुरूप निजी तौर पर इनका निस्तारण किया जाए। भारत की ध्वज संहिता के अनुसार, आमजन महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, सामाजिक एवं खेल समारोहों में कागज का बना राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकते हैं। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश के लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को दर्शाता है और इसलिए इसका एक सम्मानजनक स्थान होता है तथा ध्वज के प्रति सार्वभौमिक प्रेम एवं सम्मान तथा वफादारी होती है। उसने कहा, ''इसके बावजूद राष्ट्रीय ध्वज को फहराने पर लागू होने वाले कानूनों एवं परंपराओं के संबंध में लोगों के साथ-साथ सरकार के संगठनों या एजेंसियों में अक्सर जागरुकता की स्पष्ट कमी देखी जाती है।'' गृह मंत्रालय ने राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से कहा कि वे इस संबंध में जागरुकता अभियान चलाएं और इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों के जरिए इसका व्यापक प्रचार करें। इसमें कहा गया है कि 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971' और राष्ट्रीय ध्वज को फहराने संबंधी नियमों से जुड़ी एवं 2021 में संशोधित 'भारतीय ध्वज संहिता, 2002' की प्रति मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

50 लाख से ज्यादा हेल्थकेयर-फ्रंटलाइन वर्कर्स को लगी प्रिकॉशन डोजः स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली । देश में अब तक 50 लाख से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और 60 साल व उससे ज्यादा उम्र के लोगों को कोरोना वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज लग गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को ट्वीट करके इसकी जानकारी दी। साथ ही उन्होंने कहा कि जो लोग प्रिकॉशन डोज के लिए योग्य हैं, वैक्सीनेशन जरूर कराएं। भारत ने स्वास्थ्य कर्मियों, चुनाव ड्यूटी के लिए तैनात कर्मियों सहित फ्रंटलाइन वर्कर्स और 60 साल व उससे अधिक उम्र के लोगों को कोविड-19 वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज लगाना शुरू किया। कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट से बढ़ते संक्रमण के बीच 10 जनवरी से प्रिकॉशन डोज लगाने का फैसला किया गया। वहीं, बीते 24 घंटे में कोरोना वैक्सीन की 80 लाख से अधिक डोज लगाई गई। इस तरह देश में अब तक कोरोना टीके की 158 करोड़ से ज्यादा खुराक लगाई जा चुकी है। देश भर में टीकाकरण अभियान 16 जनवरी, 2021 को शुरू किया गया, जिसमें स्वास्थ्य कर्मियों को पहले चरण में टीका लगाया गया था। वहीं, फ्रंटलाइन वर्कर्स का वैक्सीनेशन पिछले साल 2 फरवरी से शुरू हुआ था। 15-18 साल के किशोरों का 3 जनवरी से टीकाकरण जारीकोरोना टीकाकरण का अगला चरण 1 मार्च से 60 साल से अधिक उम्र के लोगों और 45 वर्ष व उससे अधिक आयु के लोगों के लिए शर्तों के साथ शुरू हुआ। देश में 1 अप्रैल, 2021 से 45 साल से अधिक आयु के सभी लोगों के लिए टीकाकरण शुरू किया। इसके बाद सरकार ने 1 मई से 18 साल से ऊपर के सभी लोगों का टीकाकरण शुरू किया। वहीं, 15-18 साल की उम्र के किशोरों के लिए इस साल 3 जनवरी से कोविड-19 टीकाकरण का अगला चरण शुरू हो गया है।

ब्रिटेन में रह रहे सिखों ने खालिस्तानी ताकतों से किया किनारा, पीएम मोदी की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली ।

विदेशों से भारत विरोधी अभियान चलाने वाले खालिस्तानियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए ब्रिटेन ने किनारा कर लिया है।लंदन के साउथ हॉल में ब्रिटेन के अधिकांश प्रमुख गुरुद्वारों ने खालिस्तानी ताकतों से मुंह मोड़ते हुए इनका खुलकर विरोध शुरू कर दिया है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताकर उनकी जमकर प्रशंसा की। रिपोर्ट के मुताबिक, सिख समुदाय ने रविवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में एकत्रित होकर प्रधानमंत्री मोदी की सरकार को धन्यवाद देकर एक प्रस्ताव पारित किया। इसके साथ ही उन्होंने 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाए जाने और सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। दरअसल, सिख नेताओं और गुरुद्वारा समिति के पदाधिकारियों ने उन लोगों को चुनौती दी जो भारत और इसकी मौजूदा सरकार के बारे में तथ्यात्मक रूप से गलत प्रचार प्रसार को आगे बढ़ा रहे हैं। बता दें कि ब्रिटेन में सिख समुदाय द्वारा पारित किए गए इस प्रस्ताव को एक साहसिक कदम के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले हमें महज खालिस्तानियों द्वारा दिखाए गए प्रोपोगेंडा की खबरें पढ़ने को मिलती थीं लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। गुरु गोबिंद सिंह की 365वीं जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की थी कि साल 2022 से 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। यह गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों की बहादुरी और शहादत को श्रद्धांजलि होगी। इससे पहले उन्होंने सिख गुरुओं द्वारा किए गए योगदान की सराहना की थी। उन्होंने कहा था कि यह केवल समाज और आध्यात्मिकता तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हमारा राष्ट्र, राष्ट्र की चिंतन, राष्ट्र की आस्था और अखंडता अगर आज सुरक्षित है तो उसके भी मूल में सिख गुरुओं की महान तपस्या है।

आत्मनिर्भर सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली । भारतीय सेना ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में मंगलवार को अहम कदम उठाया। सेना ने मेन्यूवेरेबल एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट के लिए मेक-II के तहत एनाड्रन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 96 करोड़ रुपये के पहले करार पर हस्ताक्षर किया। डिफेंस प्रोडक्शन इंडिया ने ट्वीट करके इस समझौते की जानकारी दी। ट्वीट में कहा गया, ÷भारतीय सेना ने मेन्यूवेरेबल एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट के लिए मेक-II के तहत एनाड्रन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ करार पर हस्ताक्षर किया है। यह समझौता 96 करोड़ रुपये का है। सेना प्रमुख नरवणे ने 15 जनवरी को 74वें सेना दिवस के अवसर पर सेना के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश %आत्मनिर्भर सेना% की दिशा में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आईआईटी सहित भारतीय शैक्षणिक संस्थानों के संयुक्त प्रयासों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ब्लॉकचैन, क्वांटम कंप्यूटिंग, मानव रहित सिस्टम, निर्देशित ऊर्जा हथियार और स्वर्ण ड्रोन जैसी कई नई तकनीकों का विकास किया जा रहा है। सेना प्रमुख ने कहा, ÷कोविड महामारी के दौरान पड़ोसी देशों के साथ हमारा आपसी सहयोग और बढ़ा है। संयुक्त राष्ट्र पीसकीपिंग ऑपरेशन में भारतीय सेना का महत्वपूर्ण योगदान हमेशा रहा है। हमारे सेना के आज भी 5,000 से ज्यादा सैनिक विभिन्न पीसकीपिंग मिशन में तैनात हैं, जो देश को अलग पहचान दे रहे हैं।

गणतंत्र दिवस परेड पर दिखेगा कोरोना का असर

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस की तीसरी लहर का असर राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड पर भी पड़ेगा। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने परेड के दौरान लोगों की उपस्थिति में 70-80 फीसदी की कटौती कर दी है। इस बार के परेड में 5000-8000 लोग ही शामिल होंगे। आम दिनों में लोगों की संख्या बहुत ज्यादा रहती है। रक्षा मंत्रालय के सीनियर अधिकारियों ने कहा कि पिछले साल की परेड में लगभग 25,000 लोगों को शामिल होने की अनुमति दी गई थी। इसके अलावा, इस साल की परेड में मुख्य अतिथि शामिल होंगे या नहीं, इस बारे में फैसला विदेश मंत्रालय द्वारा लिया जाना है। पिछले साल के परेड के दौरान कोई मुख्य अतिथि नहीं था। अधिकारियों ने कहा कि परेड के दौरान भीड़ को करने के पीछे का उद्देश्य सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखना है ताकि कार्यक्रम सुपर स्प्रेडर इवेंट न बन जाए। इसी को देखते हुए परेड के दौरान उपस्थित होने वाली भीड़ में कटौती करके उसके सीमित कर दिया गया है। हालांकि, भीड़ की सटीक संख्या कितनी होगी यह अभी तय नहीं की गई है। लेकिन, जब भी होगी 5-8 हजार के बीच ही होगी। अधिकारियों ने कहा कि लोगों को टीवी पर परेड देखने के लिए लाइव स्ट्रीमिंग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि मुख्य अतिथियों के संबंध में निर्णय विदेश मंत्रालय द्वारा देखा जा रहा है।

देश में गणतंत्र झांकियों के चयन की प्रक्रिया है पारदर्शी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीएम ममता बनर्जी को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गणतंत्र परेड में बंगाल की नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर बनाई गई झांकी को शामिल नहीं किए जाने पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर भेदभाव का आरोप लगा रही हैं। इसबीच आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पत्र लिखकर इस बात को स्पष्ट किया कि गणतंत्र परेड में झांकी को शामिल करने की प्रक्रिया पारदर्शी रहती है। राजनाथ सिंह ने पत्र में लिखा कि देश की आजादी के लिए नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का योगदान हर भारतीय के लिए अविस्मरणीय है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताजी के जन्मदिवस, 23 जनवरी के दिन को %पराक्रम दिवस के रूप में घोषित किया है। इसके साथ ही राजनाथ ने लिखा कि अब से हर बार गणतंत्र दिवस समारोह की शुरूआत नेताजी के जन्मदिवस 23 जनवरी से शुरू होकर 30 जनवरी को समापन किया जाएगा। वर्तमान सरकार नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और पश्चिम बंगाल के सभी स्वाधीनता सेनानियों के प्रति कृतज्ञ है।

अपने पत्र में राजनाथ ने लिखा कि मैं आपको विश्वास दिलाना चाहूंगा कि गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाली झांकियों की चयन प्रक्रिया बहुत पारदर्शी है। कला, संस्कृति, संगीत और नृत्य विधाओं के प्रख्यात विद्वानों की समिति राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों के कई दौर में मूल्यांकन के बाद इनकी अनुशंसा करती है। इसी चयन प्रक्रिया के तहत पश्चिम बंगाल राज्य की झांकी ने वर्ष क्रमश 2016 2017, 2019 और 2021 में भी गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भाग लिया था।

देवास एंट्रिक्स मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर बरसीं सीतारमण यह धोखाधड़ी का सौदा था

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देवास-एंट्रिक्स मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा है। वित्त मंत्री ने मंगलवार को कहा कि यूपीए (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) ने 2011 में यह सौदा रद्द कर दिया था। यह धोखाधड़ी का सौदा था। एंट्रिक्स सौदे की धोखाधड़ी से देवास बच नहीं पाए, इसलिए सरकार ने सभी अदालतों में लड़ाई लड़ी।

सीतारमण ने कहा कि 2011 में जब इसे रद्द किया गया तब देवास

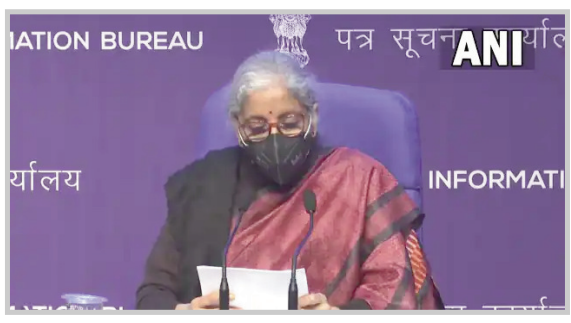

अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता में चला गया। भारत सरकार ने मध्यस्थता के लिए नियुक्ति नहीं की, 21 दिनों के भीतर मध्यस्थता के लिए नियुक्ति के लिए कहा गया, लेकिन सरकार ने नियुक्ति नहीं की। उन्होंने कहा कि प्राइमरी वेवलेंथ, सैटेलाइट या स्पेक्ट्रम बैंड की बिक्री करके इसे निजी पार्टियों को देना और निजी पार्टियों से पैसा कमाना कांग्रेस सरकार की विशेषता रही है।

बेटे को टिकट के लिए रीता बहुगुणा का सांसदी से इस्तीफे का प्रस्ताव

रीता ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर अपनी यह बात कही

लखनऊ (एजेंसी) ।

बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी बेटे मयंक को लखनऊ कैंट से टिकट के लिए सांसदी भी छोड़ने को तैयार हो गई हैं। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर अपनी यह बात कही है। भाजपा ने एक परिवार एक टिकट का ऐलान किया है। इसलिए जोशी के बेटे को टिकट पर संशय की के हालात है। रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि एक परिवार से एक ही व्यक्ति को टिकट के पार्टी के फैसले के बारे में जब पता चला तो मैंने इस बारे में पत्र लिखा है। रीता ने कहा कि अगर कोई चुनावी राजनीति में आना चाहता है और लंबे समय से समाजसेवा कर रहा है तो उसे टिकट में हर्ज नहीं होना चाहिए। रीता जोशी ने यह भी कहा कि मैंने पहले ही 2024 का चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा कर रखी है। अब मैं सासंदी छोड़कर पार्टी का काम करना चाहती हूं। रीता बहुगुणा का कहना है कि अगर मौजूदा सांसद के बेटे को टिकट देने में दिक्कत है तो वो सांसदी छोड़ने को तैयार हैं। रीता जोशी जिस सीट लखनऊ कैंट से टिकट मांग रही हैं, उस पर बीजेपी में कई दावेदार हो गए हैं। रीता बहुगुणा जोशी ने कांग्रेस छोड़कर बीजेपी को ज्वाइन किया था। रीता का कहना है कि उनका बेटा 2009 से राजनीति में एक्टिव है

और लोगों के लिए काम कर रहा है। ऐसे में उनके बेटे मयंक जोशी को टिकट मिलना चाहिए। रीता के अलावा बीजेपी में अपने बेटों के लिए टिकट मांगने की लिस्ट में बीजेपी सांसद जगदम्बिका पाल, केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का भी नाम शामिल है। इन सभी ने विधानसभा चुनाव के लिए अपने बेटों कि लिए टिकट की मांग की है।

कच्चे तेल का भाव आसमान पर, लेकिन पांच राज्यों में चुनाव के कारण नहीं बढ़े दाम

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल का भाव वर्ष 2014 के बाद से उच्चस्तर 87 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इसके बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार 74वें दिन भी नहीं बढ़े हैं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के मानक ब्रेंट क्रूड के भाव मंगलवार को 87.7 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए। इसके पीछे बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति पक्ष से जुड़ी बाधाएं मुख्य हैं। यमन के हूदी विद्रोहियों ने संयुक्त अरब अमीरात में तेल प्रतिष्ठान पर हमला कर आपूर्ति को बाधित किया है।इसके अलावा वैश्विक तेल भंडार भी कम हो रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि हमले के बाद पश्चिम एशिया के दो पड़ोसी देशों ईरान एवं सऊदी अरब के बीच तनाव बढ़ने की आशंका है। इससे कच्चे तेल की आपूर्ति आने वाले समय में और बाधित हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दामों में पिछले कुछ दिनों से आई तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल एवं डीजल के दाम नहीं बढ़ रहे हैं। करीब ढाई महीने से पेट्रोल एवं डीजल के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 95.41 रुपये प्रति लीटर के भाव पर हैं, जबकि डीजल

86.67 रुपये प्रति लीटर के दाम पर बिक रहा है। उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद राज्य सरकार के स्तर पर भी मूल्य वर्धित कर (वैट) कम किए जाने से पेट्रोल एवं डीजल के दाम इस स्तर पर हैं। अक्टूबर के अंत में पेट्रोल 110 रुपये और डीजल 98 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गया था। जब देश में पेट्रोल एवं डीजल के दाम इतनी ऊंचाई पर थे, उस समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड भी 82 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ था।

बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई बांग्लादेश सीमा पर 82 फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत-बांग्लादेश की सीमा पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बीएसएफ ने 82 फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस जब्त किए हैं। यह सब तब हुआ जब बीएसएफ की एक औचक जांच में पाया कि कम से कम 82 ट्रक चालक नकली ड्राइविंग लाइसेंस का प्रयोग कर रहे थे। ये सभी ड्राइविंग लाइसेंस बांग्लादेश से आने-जाने वाले ट्रकों के लिए प्रयोग में लाए जा रहे थे। बीएसएफ के एक सीनियर अधिकारी ने यह जानकारी दी है, उन्होंने इस बारे में विस्तृत जानकारी भी दी है। दरअसल, बीएसएफ के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि सीमा सुरक्षा बल को इनपुट मिले थे कि कुछ ड्राइवर भारत और बांग्लादेश के बीच माल के निर्यात और आयात में सोने-चांदी, फेंसेडिल सिरप, ड्रग्स आदि की तस्करी जैसे सीमा पार अपराधों में शामिल हैं। इसके बाद औचक जांच की गई और 16-17 जनवरी को ड्राइवरों के पास से कुल 82 फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस मिले हैं। यह सभी जब्त किए गए लाइसेंस बीएसएफ ने सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिए हैं। यह मामला सामने आने के बाद जांच के लिए मामला दर्ज किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय सीमा शुल्क और भूमि बंदरगाह प्राधिकरण को सूचित किया गया है कि फर्जी लाइसेंस पर चलने वाले ड्राइवरों को अनुमति नहीं दी जा सकती है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस वाले किसी भी ड्राइवर को किसी भी कीमत पर ट्रकों को चलाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है क्योंकि ऐसे ड्राइवर ड्राइविंग लाइसेंस के आधार पर सीमा शुल्क विभाग से नकली पास प्राप्त करते हैं, जिस पर बीएसएफ ट्रकों को अंदर जाने की अनुमति देता है। भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार को सुचारू रूप से चलाने के लिए बीएसएफ ने सीमा पार बनगांव ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन को स्थायी संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करने के लिए भी सूचित किया है ताकि सुरक्षा और हितों से समझौता न हो। पेट्रापोल आईसीपी दक्षिण

एशिया का सबसे बड़ा भूमि चेकपोस्ट है, जो भारत और बांग्लादेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ कोलकाता से लगभग 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पेट्रापोल (भारत)-बेनापोल (बांग्लादेश) व्यापार और यात्री आवाजाही के मामले में दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण बिंदु है। भारत और बांग्लादेश के बीच लगभग 30 प्रतिशत भूमि आधारित व्यापार यहीं से होता है। इसे फरवरी 2016 में चालू किया गया था, पेट्रापोल आईसीपी से यात्रियों की आवाजाही की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसमें से हर साल औसतन 22 लाख लोग सीमा चौकी को पार करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

इच्छा से दुख आता है, इच्छा से भय, आता है, जो इच्छाओं से मुक्त है वह न दुख जानता है न भय। - महात्मा गांधी

संपादकीय

शीत का प्रकोप

उत्तर भारत के एक बड़े इलाके में शीतलहर की स्थिति है। श्रीनगर में तापमान माइनस पांच डिग्री पर चल रहा है, तो शिमला में बर्फबारी की स्थिति है। पंजाब और हरियाणा के साथ दिल्ली भी कोहरे की चादर ओढ़े ठिठुर रही है। लखनऊ में तापमान छह डिग्री सेल्सियस के आसपास महसूस हो रहा है, तो पटना और रांची में भी न्यूनतम तामपान दस डिग्री के नीचे ही है। पिछले चार दिनों से ठंड में इजाफा हुआ है और कई इलाकों में तो सूर्य दर्शन दुर्लभ है और जिन जगहों पर सूर्य दिखा भी है, वहां हवा चल रही है, बादलों की भी आवाजाही है। कुल मिलाकर, ठंड ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर रखा है। मौसम का मिजाज आसानी से समझ में नहीं आ रहा है। मौसम विज्ञान विभाग ने जो भविष्यवाणी की है, वह भी बहुत स्पष्ट नहीं है। यह कह देना ही पर्याप्त नहीं कि आने वाले कुछ दिनों में ठंड से राहत मिलेगी। यह भी अनुमान है कि आगामी दो दिन तक ठंड का प्रकोप जारी रहेगा। आगे बीच-बीच में कुछ राहत का अनुमान है, लेकिन कुल मिलाकर ठंड से लोग सप्ताह या दस दिनों तक अपने घरों में दुबके रहने को मजबूर रहेंगे। पहले यह माना जाता था कि सूर्य के उत्तरायण होने पर सर्दियों के दिन लदने लगते हैं, लेकिन यहां मकर संक्रांति के बाद भी ठंड कम होने के बजाय बढ़ती हुई महसूस हो रही है। आम तौर पर ऐसी शीत लहर की स्थिति दिसंबर के अंत या जनवरी की शुरुआत में बनती है, लेकिन आधी जनवरी बीतने के बाद भी शीत लहर का आलम चिंता बढ़ा रहा है। कुछ दिनों से बादल छाए हुए थे और अनुमान था कि सोमवार से धूप कुछ खिलेगी, लेकिन सोमवार को उत्तर भारत में सुबह की शुरुआत हाड़ कंपा देने वाली ठंड से हुई। यह कोरोना की तीसरी लहर का भी समय है, शीत लहर से सर्दी-जुकाम-खांसी को और बल मिलेगा। मौसमी बीमारियों का प्रकोप प्रबल होगा, जिससे कोरोना की चिंता और बढ़ जाएगी। अत- यह बहुत जरूरी है कि लोग ठंड की मार से बचें और कम से कम मौसमी बीमारियों का आतंक नियंत्रण में रहे। यह डॉक्टरों व अस्पतालों के लिए चिंता का समय है। संभव है कि पश्चिमी विक्षोभ और बादलों की मौजूदगी घटने से राहत की स्थिति बने। ऐसे समय में हम क्या कर सकते हैं, यह हमें सोचना चाहिए। शीत लहर वाले प्रदेशों के स्थानीय प्रशासन को विशेष रूप से सचेत रहना होगा। जगह-जगह अलाव की व्यवस्था, रैन बसेरों की सुविधा को चाक चौबंद करना होगा। गांवों और शहरों में गरीब या बेघर लोगों पर निगाह रखने का समय है। जहां स्थानीय प्रशासन सजग है, वहां गरीब-बेघर लोगों को अब तीन वक्त भोजन दिया जा रहा है। ध्यान रहे, ठंड तभी जानलेवा बनती है, जब कोई भोजन से वंचित होने लगता है। स्थानीय निकाय, स्थानीय प्रतिनिधि, पंचायतों को पूरी तरह से सजग रहना चाहिए कि शीत लहर में किसी की जान न जाए। यह यथोचित शारीरिक दूरी रखते हुए सामाजिकता निभाने का समय है। दूसरी ओर, संभव है कि यह जलवायु परिवर्तन का असर हो। लेकिन ज्यादा चिंता प्रदूषण को लेकर है। हमारे महानगरों में हवा की गुणवत्ता अभी भी बहुत खराब है। सोमवार को भी राजधानी में वायु की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में दर्ज हुई है। वायु प्रदूषण कम करने पर अगर हम ईमानदारी से ध्यान दें, तो संभव है, सूर्य से बेहतर सहारा मिले।

आज के कार्टून

उत्तम कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य/ श्रेष्ठ कार्य वह है, जो श्रेष्ठ उद्देश्य के लिए किया जाता है। उत्तम कार्यों की कार्य प्रणाली भी प्राय- उत्तम ही होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्राय- उसके लिए मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा ही उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत स्थिति सामने आती है कि सदुद्देश्य होते हुए भी, भावनाएं उच्च, श्रेष्ठ, सात्विक होते हुए भी क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है, जिससे लोगों को यह भ्रम हो जाता है कि कहीं यह सब दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। किसी भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। इसी प्रकार किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि के द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकताएं एवं उपयोगिता सर्वत्र स्वीकार की जा सकती है। परन्तु कई बार इस प्रकार की सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसके करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। बिरले बहादुर ही इस प्रकार की दुस्साहसभरी सेवा करने को तैयार रहते हैं। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर कि वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, कोई साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी सीधे तरीके से मान जाते हैं। उनकी भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है, पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो रही है और साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्राय- कुछ भी असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रबलता और प्रधानता है, ऐसे प्राणियों की कमी नहीं है। ऐसे प्राणी सज्जनता, साधुता और सात्विकता का कुछ भी मूल्यांकन नहीं करते। ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से उन्हें अनीति के दुःखदाई मार्ग पर से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु समझाने से नहीं मानता।

जीवन का अनुशासन देगा महामारी से मुक्ति

सुरेश सेठ

जिस तेजी से कोरोना की लहर देश में फैली है, उसने चकित किया है। कहां तो यह सोचा जा रहा था कि भारत में टीकाकरण की रिकॉर्ड सफलता के कारण, एक बरस में ही लोगों को डेढ़ सौ करोड़ टीका लग जाने के कारण कोरोना की तीसरी लहर का मार्ग अवरुद्ध हो जायेगा। कोरोना की दूसरी लहर का दबाव बीते वर्ष के पूर्वार्द्ध में बहुत कम हो गया था। सोचा जा रहा था कि अब पश्चिमी देशों के विपरीत भारत में कोरोना लहर के तीसरे चरण का संक्रामक, रुग्ण एवं मारक प्रभाव या तो होगा ही नहीं, यदि होगा भी तो बहुत हल्का और विलम्ब के साथ। बीते वर्ष बेशक देश को कुछ खुले महीने मिल गये, जहां टीकाकरण का बोलबाला रहा और संक्रमण की दहला देने वाली खबरें कम होती चली गयीं। देश ने राहत की सांस ली थी। आम लोगों ने तो जैसे महामारी को अलविदा कह दिया। शारीरिक अंतर और मास्क पहनने को तिलांजलि देकर ये सब लोग आम दिनों की तरह पुन- अपने काम में जुट गये। परिणाम सबके सामने हैं। अपनी जिंदगी को पुन- पटरी पर लाने के लिये, किसान, उद्यमी, निवेशक और कामगार जुटे थे, अब उखड़ते नजर आ रहे हैं। वैसे पिछले वर्ष के बीतने के साथ ही नये वर्ष के पहले पखवाड़े में न केवल केंद्रीय सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने पुष्टि की कि देश के सात में से छह उत्पादन घटकों ने वर्ष 2020-21 में कोरोना पूर्व के स्तर को स्पर्श कर लिया। रिजर्व बैंक ने स्वीकार किया कि इस वर्ष देश आर्थिक विकास दर में वृद्धि करके 9.2 प्रतिशत प्राप्त कर लेगा, जबकि इससे पहले यह अनुमान 8.5 प्रतिशत का था। जहां तक इससे पिछले वर्ष का संबंध है, कोरोना की प्रथम लहर के प्रहार और एक पूर्ण बंद व एक अपूर्ण बंद के कारण यही आर्थिक विकास दर गिर कर शून्य से भी नीचे -7 प्रतिशत पर चली गयी थी। सकल घरेलू उत्पाद भी कोरोना पूर्व साल 2019 की तुलना में बहुत नीचे चला गया था। नतीजा, बेकारी में बेतहाशा वृद्धि हुई जितनी देश ने पिछले पैंतालीस बरस में नहीं देखी थी और महंगाई का स्तर बढ़कर मनमोहन काल तक चला गया। इसी को नियंत्रित करने की घोषणा मोदी सरकार ने अपनी दूसरी शासन पारी में की थी। केंद्रीय सरकार और रिजर्व बैंक के इस विकास मूल्यांकन की पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक एजेंसियों ने भी कर दी है। वर्षांत के उत्सवों वाले चार महीनों में आम लोगों की ओर से बढ़ती डिमांड ने देश के बाजारों में मांग का अवसाद हर लिया। इससे पहले कोरोना की असाधारण परिस्थितियों में न तो भारत सरकार द्वारा जारी किये गये आर्थिक बूस्टर और न ही रिजर्व बैंक द्वारा जारी रखी गयी उदार साख नीति काम कर रही थी। लोगों का जिंदगी के सामान्य हो जाने में विश्वास लौटा तो ये सभी आर्थिक प्रयास सफल होने लगे। इस बीच सरकार की आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की घोषणा और वित्त मंत्री द्वारा कुटीर, लघु और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन की प्रतिबद्धता निवेशकों में उत्साह भर रही थी। तभी तो शेयर मार्केटों में जिंदगी की उछाल और विकास दर और सकल घरेलू उत्पाद में पिछली गिरावट को पूरा कर आगे बढ़ जाने की ललक दिखायी देने लगी। नये बरस की शुरुआत में मिले आंकड़े साहस बढ़ा रहे थे कि कृषि और विनिर्माण क्षेत्र ने तरक्की की है, इसी तेवर के कारण देश 9.2 प्रतिशत विकास दर पर पहुंच जायेगा, जो कि भारत के लिए स्वत-स्फूर्त दर है। लेकिन नये बरस की शुरुआत में कोरोना की तीसरी लहर के आगमन का यह अप्रिय कुठाराघात! ओमीक्रोन वायरस के संक्रमण के समाचार कर्नाटक से मिले थे। देखते ही देखते ये समाचार देश के हर राज्य से आने लगे। वहीं इसके साथ दूसरी लहर का डेल्टा प्लस भी तेज होकर अपना संक्रामक प्रभाव दिखाने लगा। तेजी इतनी कि अगर पहली लहर में एक लाख लोगों के संक्रमण का आंकड़ा 149 दिन में पहुंचा था, दूसरी लहर में पचास दिन में और अब मात्र ग्यारह दिन में दोनों वायरसों से संक्रमण का आंकड़ा एक लाख से ऊपर हो गया। इसकी गिरफ्त में केवल महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली ही नहीं आये, बल्कि पंजाब और हरियाणा भी इसकी गंभीरता झेलने लगे। पंजाब में तो पांच दिनों में संक्रमण ने तीन गुना हो जाने की तेजी दिखायी। देश के लिए इस महामारी जिसे दोनों वायरसों के संक्रमण के कारण डेल्माक्रोन कहा जा रहा है, की पुन- अग्निपरीक्षा शुरू हो गयी। लेकिन इस अग्निपरीक्षा से न केवल प्रशासन, बल्कि किसानों, निवेशकों और कामगारों को भी सामना करके सफल होकर निकलना है। जो गलतियां पिछले वर्ष के शुरू के महीने में दूसरी लहर में झेलीं, वह इस बार न हों। यह लहर हर स्तर पर अधिक तैयारी और अधिक साहस की अपेक्षा कर रही है। पहले तो दोनों महामारियों के प्रकोप से उबरकर संवरती हुई अर्थव्यवस्था को बचाना है। पूर्ण और अपूर्ण लॉकडाउन चलती अर्थव्यवस्था को रोक अवरोध और क्षरण का माहौल पैदा कर देते हैं। इसलिए इस बार सम्पूर्ण के आदेशों के स्थान पर परिस्थितियों के अनुरूप स्थानीय बंदिशों के आदेश दिये जायें और स्थिति सुधरते ही उन्हें हटा दिया जाये। कटु सत्यों की अवहेलना ही हमें बार-बार इस मझधार में ले आती है। क्या कारण था कि जबकि पश्चिमी देशों में कोरोना की तीसरी लहर रंग दिखाने लगी थी, हमने अपने देश में इसके संभावित आगमन की उपेक्षा कर के टीकाकरण की गति को धीमा कर दिया। लोगों ने अपने व्यावहारिक जीवन में सामाजिक अंतर न रखने और चेहरों पर मास्क न पहनने का जीवन फिर से जीना शुरू कर दिया। रिपोर्ट तो यह कहती है कि भारत ने अपने द्वारा निर्मित टीकों का एक हिस्सा जरूरतमंद देशों को देना शुरू कर दिया और टीका लगाने वाली सिरिंजों का उत्पादन भी कम हुआ। अब इन हिमालय जैसी भूलों के सुधार के लिए प्रचार अभियान चलाया जा रहा है लेकिन प्रश्न है कि देश ने कोरोना लहरों के पुनः आगमन की अनिवार्य संभावना को अभी तक स्वीकार क्यों नहीं किया? उसके अनुरूप अपनी जीवनशैली को क्यों नहीं बदला? ये टीके कोरोना निरोधी हैं, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले। सही है कि भारत द्वारा बनाये गये कोवैक्सीन टीके सफल रहे हैं। लेकिन शोध का यह कारवां द्रुत गति से चलता हुआ अभी तक कोरोना के सटीक उपचार तक क्यों नहीं पहुंचा? पश्चिम के चिकित्सा विज्ञानियों ने इसके उपचार के लिए एंटी वायरल दवा विकसित की है। इसके दाम घटाकर, सहज उपलब्ध बनाकर अभी तक अपने देश की हर दवा मंडी तक पहुंच जाना चाहिये था। ऐसा क्यों नहीं हुआ? चिकित्सा ढांचे का विकास हो। साथ ही दवा मंडियों में पैदा हो जाने वाली जमाखोरी और कालाबाजारी का निराकरण जरूरी है, यह कमी पिछली लहर के समय इस देश के लोगों ने झेली। सामान्य जिंदगी को ओर लौटने के नाम पर हमेशा प्रशासनिक व्यवस्था और आम आदमी द्वारा पुराने ढर्रे की ओर लौटना क्यों होता है? सामान्य जिंदगी के नाम पर इस अस्वस्थ ललक ने ही आज पूरे देश को महामारी की विकट लहर के तीसरे दौर के समक्ष खड़ा कर दिया है। स्थिति के अनुरूप जिंदगी जीने के ढंग में स्थायी परिवर्तन अर्थात शारीरिक अंतर रखने और मास्क पहनने का अनुशासन ही इस देश के लोगों को अपनी हाराकिरी से बचा सकता है। इसी प्रकार, मुसीबत पड़ने पर ही प्रशासन सचेत हो, के स्थान पर अगर सदैव सचेत और ठोस निर्णय लेने की सरकारी तत्परता उपज सके, तो सम्भवत- इन क्रमशः आ धमकने वाले मौत के हरकारों से देश को छुटकारा मिल जाये।

लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

उनके जाने से सूना हुआ कथक का आंगन

अतुल सिन्हा

16 जनवरी, 2022 की रात करीब बारह-सवा बारह बजे का वक्त। दिल्ली के अपने घर में पंडित जी अपनी दो पोतियों रागिनी और यशस्विनी के अलावा दो शिष्यों के साथ पुराने फिल्मी गीतों की अंताक्षरी खेल रहे थे। हंसते-मुस्कराते, बात-बात पर चुटकी लेते पंडित जी को अचानक सांस की तकलीफ हुई और कुछ ही देर में वह सबको अलविदा कह गए। आगामी 4 फरवरी को 84 वर्ष के होने वाले थे। बेशक उन्हें कुछ वक्त से किडनी की तकलीफ थी, डायलिसिस पर भी थे, लेकिन उनकी जीवंतता और सकारात्मकता अंतिम वक्त तक बरकरार थी। पंडित जी में आखिर ऐसा क्या था जो उन्हें सबका एकदम अपना बना देता था? कथक को दुनियाभर में एक खास मुकाम और पहचान दिलाने वाले पंडित जी आखिर कैसे एक संस्था बन गए थे और कैसे उन्हें नई पीढ़ी भी उतना ही प्यार और सम्मान देती थी? इसके पीछे थी उनकी कभी न टूटने वाली उम्मीद। कुछ साल पहले उनके साथ हुई मुलाकात के दौरान ऐसी कई यादगार बातें पंडित जी ने कहीं। वे कहते- कथक और शास्त्रीय नृत्य का भविष्य उज्ज्वल है, इसकी संजीदगी और भाव-भंगिमाएं आपको बांध लेती हैं। नई पीढ़ी को इसकी बारीकी समझ में आ रही है और बड़ी संख्या में देश-विदेश में बच्चे कथक सीख रहे हैं। वह यह भी बताते थे कि कैसे कथक मुगलों के ज़माने से सम्मान पाता रहा, भारतीय नृत्य और संगीत की परंपरा कितनी पुरानी है और कैसे उनके वंशज आसफुद्दौला से लेकर नवाब वाजिद अली शाह के दरबार में राज नर्तक और गुरु थे। उनके दादा कालिका महाराज और उनके चाचा बिंदादीन महाराज ने मिलकर लखनऊ के कालिका-बिंदादीन घराने की नींव रखी। बातचीत में अक्सर पंडित जी अपने पिता अच्छन महाराज के अलावा अपने चाचा लच्छू महाराज और शंभु महाराज का जिक्र करते थे। तीन साल के थे तभी पिता अच्छन महाराज ने उनमें ये प्रतिभा देखी और नृत्य सिखाने लगे। नौ साल के होते-होते पिता का साया उठ गया तो चाचा लच्छू महाराज और शंभु महाराज ने उन्हें शिक्षा दी। एक दिलचस्प किस्सा भी पंडित जी ने बताया था कि जिस वार्ड में उनका जन्म हुआ, उसमें उस दिन वे अकेले बालक थे, बाकी लड़कियां। सबने तभी कहा कि कृष्ण-कन्हैया आया है साथ में गोपियां भी आई हैं। ऐसे में नाम रखा गया बृजमोहन, जो बाद में बिरजू हो गया। अपने जीवन से जुड़े ऐसे कई दिलचस्प किस्से पंडित जी सुनाया करते थे। वह यह भी कहते कि नर्तक सिर्फ नर्तक नहीं होता, उसे सुर की समझ होती है, संगीत उसके रग-रग में होता है। संगीत और नृत्य को कभी अलग करके देखा ही नहीं जा सकता। इसलिए पंडित बिरजू महाराज बेहतरीन गायक भी थे, शानदार तबलावादक भी थे और तमाम तरह के तार और ताल वाद्य वे बजा लेते थे। अपने घराने की खासियत पंडित जी कुछ इस तरह बताते थे- बिंदादीन महाराज ने करीब डेढ़ हजार ठुमरियां रचीं और गाईं, कथक की इस शैली में ठुमरी गाकर भाव बताना इसी शैली में आपको मिलेगा। तत्कार के टुकड़ों 'ता थई, तत थई को' भी कई शैलियों और तरीकों से नाच में उतारा जाता है। कथक के तकनीकी पहलुओं पर आप उनसे घंटों बात कर सकते थे। नृत्य में आंखों का इस्तेमाल, भाव-भंगिमाएं और पैरों की थिरकन और हाथों की मूवमेंट के बारे में उनसे बैठे-बैठे बहुत कुछ समझ सकते थे। एक खास बात और जो वह बार-बार कहते थे कि नृत्य को कभी लड़का या लड़की की सीमा में बांध कर नहीं देखना चाहिए। ये सोच बदलनी चाहिए कि शास्त्रीय नृत्य सिर्फ लड़कियों के लिए है। जिसके अंदर लचक है, सुर की समझ है, संवेदनशीलता है, भाव-भंगिमाएं हैं वह नाच सकता है। शायद इसी लिए पंडित बिरजू महाराज को एक संस्था कहा जाता है। पंडित जी ने कई नृत्य शैलियां भी विकसित कीं और नए-नए प्रयोग किए। चाहे वह माखन चोरी हो, मालती माधव हो या फिर गोवर्धन लीला। इसी तरह उन्होंने कुमार संभव को भी उतारा और फाग बहार की रचना की। मात्र तेरह साल के थे तभी दिल्ली के संगीत भारती में नृत्य सिखाने लगे थे। भारतीय कला केन्द्र से लेकर कथक केन्द्र तक वह लगातार संगीत और नृत्य की शिक्षा देते रहे। 1998 में कथक केन्द्र से रिटायर होने के बाद पंडित जी ने दिल्ली के गुलमोहर पार्क में अपना केन्द्र खोला- कलाश्रम कथक स्कूल। देश-विदेश में पंडित जी ने हजारों प्रस्तुतियां दीं। कोई भी संगीत और नृत्य समारोह पंडित बिरजू महाराज के बगैर खाली खाली-सा लगता था। स्पिक मैके के तमाम आयोजनों में नए बच्चों के बीच अक्सर पंडित जी घुल-मिलकर बातें करते और कथक के बारे में बताते। पद्मविभूषण से नवाजे जाने से पहले पंडित जी को संगीत नाटक अकादमी सम्मान और कालीदास सम्मान समेत तमाम प्रतिष्ठित मंचों पर सम्मानित किया गया। लेकिन वह हमेशा यही कहते कि हमारा सबसे बड़ा सम्मान लोगों का प्यार है। फिल्म देवदास के मशहूर डांस सीक्वेंस काहे छेड़े मोहे... के बारे में बात करते हुए वह माधुरी दीक्षित को एक बेहतरीन कलाकार बताते थे। वे कहते थे कि माधुरी को इस नृत्य में जो भाव-भंगिमाएं और आंखों की अदा हमने एक-दो दफा बताई और उन्होंने इसे लाजवाब तरीके से कर दिखाया। बाद में उन्होंने दीपिका पादुकोण की फिल्म बाजीराव मस्तानी के मशहूर डांस सीक्वेंस का निर्देशन किया - मोहे रंग दो लाल। शतरंज के खिलाड़ी में भी पंडित जी के दो डांस सीक्वेंस थे। ऐसी फेहरिस्त बहुत लंबी है। जाहिर है पंडित जी का जाना कथक और भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य परंपरा के लिए एक गहरे सदमे की तरह है। बेशक उनके काम को उनकी अगली पीढ़ियां आगे बढ़ाती रहेंगी और कथक को लेकर उनके भीतर जो जुनून था वह बरकरार रहेगा। लेकिन पंडित जी जैसा भला कोई और कैसे हो सकता है।

सू-दोकू नवताल -2024

4	3			1		8	6	
5	6		3		9		7	
7					5			2
8				3	2		1	
	7	1				3	2	
	9		8	6				4
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

सू-दोकू -2023 का हल

3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2024

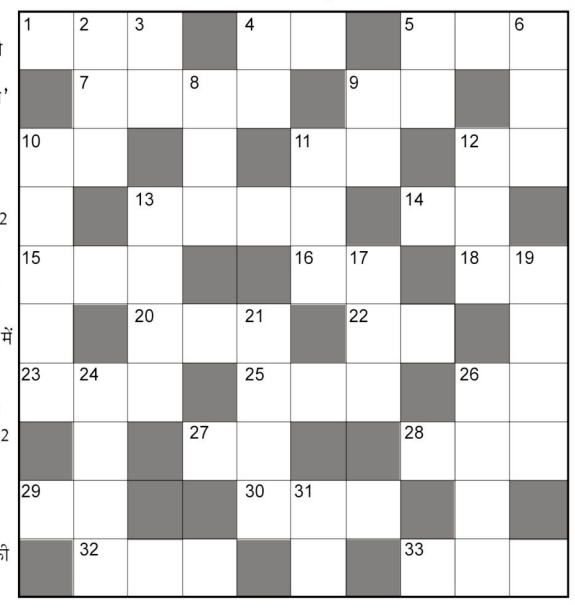

बायें से दायें:-

1. अमिताभ बच्चन की 'प्यार बिना जिंदगी बेकार है' गीत वाली फिल्म-3
4. मिथुन, अश्विनी भावे की फिल्म-2
5. जैकी श्रॉफ महिमा, रवीना की 'मुझ से क्यों रूठे हो' गीत वाली फिल्म-3
7. 'है कली कली के लब पर' गीत वाली तलत महमूद, श्यामा की फिल्म-4
9. 'एक कुंवारा फिर गया मारा' गीत वाली फिल्म-2
10. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-2
11. दिलीप कुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-2
12. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-2
13. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'आईना वही रहता है' गीत वाली फिल्म-4
14 'आई एम ए बैड गर्ल' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-2
15. आमिरखान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
16. 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-2
18. 'सुनो गौर से दुनिया वालो' गीत वाली फिल्म-2
20. दिलीप कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
22. सनी देओल, शाहरुख, जूही चावला की फिल्म-2
23. अभिमत पटेल, मीरा की फिल्म-3
25. 'भीगे होंठ तेरे' गीतवाली फिल्म-3
26. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम-2
27. 'कैसा जादू डाला रे' गीत वाली ऐश्वर्या की फिल्म-2
28. शाहरुख, माधुरी की फिल्म-3
29. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली, फिल्म-2
30. अमिताभ, हेमा, संजीव की फिल्म-3
32. 'झूठे नैना बोले सांची बतियां' गीत वाली फिल्म-3
33. फिल्म 'मिलन' की नायिका-3

ऊपर से नीचे:-

2. 'कई सदियों से कई जन्मों से' गीत वाली शत्रुघ्न सिन्हा, रीना राय की फिल्म-3
3. विनोद खन्ना, अमोल म्हात्रे, डिम्पल की 'जब से करीब हो के चले' गीत वाली फिल्म-2
4. मोहन भाकरी निर्देशित जावेद खान, दीपिका की एक सस्पेंस फिल्म-2
5. अक्षय कुमार, बॉबी देओल, जूही 'इश्क ना इश्क हो किसी से' गीत वाली फिल्म-2
6. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-3
8. राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-3
9. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-2
10. करणनाथ, जॉय फर्नांडिस, फरहान खान, आरती अग्रवाल की 'मेरा दिल कहने लगा' गीत वाली फिल्म-5
11. 'अजी रूठ कर अब कहां जाइएगा' गीत वाली राजेन्द्र कुमार, साधना की फिल्म-3
12. अक्षय कुमार, रवीना टंडन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-3
13. 'जिंदगी अब तेरे नाम से डर लगता है' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला की फिल्म-4
17. दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला की 'हमीं से मोहब्बत हमीं से लड़ाई' गीत वाली फिल्म-3
19. धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, शर्मिला की फिल्म-4
21. संजीव कुमार, शर्मिला, शबाना, वहीदा रहमान की 'राहों पे रहते हैं' गीत वाली फिल्म-4
24. 'आज मेरे कातिल की' गीत वाली जीतेंद्र, संजय दत्त, जूही चावला की फिल्म-4
26. हेमा मालिनी अभिनीत 'दुनिया का मेला मेले में लड़की' गीत वाली फिल्म-2,2
31. 'जब भी ये दिल उदास होता है' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी गरेवाल की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2023

दि	ल	का	रि	श्ता		अ	नि	पु	त्र
	गा		श्ते		द	म		का	
सो	न	म		कु		न	फ	र	त
ल्ज		न		द	र्द		ग		क्ष
र	फू	च	क्क	र		जो	र		क
		ली		त	ला	श		द	
खु	शी		दा		वा		अ	र्प	ण
	शा	न	दा	र		जीं		ण	
हे		ग		वि	रा	स	त		व
मा	ला	मा	ल		खी			क्रो	ध

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज भारतीय बाजार में सीएनजी कारें पेश कर सकती हैं टाटा मोटर्स

मुंबई (एजेंसी)।

जैसा की हम जानते हैं, कि देश में ईंधन की कीमतें में पिछले साल काफी बढ़ोतरी हुई थी,इसके बाद लोग विकल्प की तलाश करने लगे थे,इसके मद्देनजर कई वाहन निर्माता कंपनियां सीएनजी कारें लांच करने की योजना बनाने लगी।इसी कड़ी में टाटा मोटर्स ने साल 2022 में अपनी दो सीएनजी कारें लांच करने की योजना बनाई। कंपनी बुधवार को अपनी दोनों सीएनजी कार टाटा टियागो, टाटा टिगोर को लांच कर सकती है। हालांकि, कंपनी ने यह खुलासा नहीं किया कि वह किस सीएनजी कार को सबसे पहले लांच करेगी। बता दें, टाटा की ये सीएनजी कारें पिछले साल 2021 में लांच होने वाली थी, लेकिन ग्लोबल स्तर पर सेमीकंडक्टर की कमी के कारण लॉन्चिंग डेट को बढ़ाया गया है। टाटा मोटर्स अपनी आगामी सीएनजी कार टियागो और टिगोर को 19 जनवरी 2022 को लांच करने के लिए तैयार है। फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी वेरिएंट कार की बुकिंग डीलरशिप स्तर पर शुरू हो चुकी है।

कंपनी नई सीएनजी वेरिएंट को 19 जनवरी को लॉन्च करने का प्लान बना रही है। बता दें, टाटा टियागो सीएनजी मॉडल का भारतीय बाजार में सीधे तौर पर मारुति सुजुकी वैगनआर सीएनजी, ह्यूंदै सैंट्रो सीएनजी जैसी कारों से मुकाबला होगा।

जबकि, टाटा टिगोर सीएनजी कार का मुकाबला मारुति सुजुकी की आनेवाली सेडान डिजायर सीएनजी और ह्यूंदै ऑरा सीएनजी कारों से होगा। टाटा मोटर्स की सीएनजी से चलने वाले टियागोऔर टिगोर मॉडल्स को कई बार टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

वरैंडा लर्निंग को आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी

मुंबई । एकीकृत नकदी लॉजिस्टिक कंपनी रेडियंट कैश मैनेजमेंट सर्विसेज और ऑनलाइन शिक्षा मंच वरैंडा लर्निंग सॉल्यूशंस को सेबी से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिली है। दोनों कंपनियों ने अक्टूबर और नवंबर के बीच सेबी के के पास आवेदन किए थे और उन्हें 10-11 जनवरी के दौरान अवलोकन पत्र मिले। सेबी की भाषा में अवलोकन पत्र जारी होने का अर्थ आईपीओ के लिए हरी झंडी मिलना होता है। रेडियंट कैश मैनेजमेंट सर्विसेज के आईपीओ में 60 करोड़ रुपये तक के शेयरों का ताजा निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा तीन करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार वरैंडा लर्निंग सॉल्यूशंस लिमिटेड आईपीओ के जरिए 200 करोड़ रुपये तक जुटाना चाहता है। दोनों कंपनियों के इक्विटी शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

मारुति सुजुकी ने फिर बढाई अपनी कारों की कीमत

-कंपनी ने फाइनेंशल इयर में चौथी बार कारें महंगी की

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल क्षेत्र की कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी कारों की कीमत एक बार फिर बढ़ा दी है। चालू फाइनेंशल इयर में कंपनी ने चौथी बार अपनी कारें महंगी की हैं। कंपनी औसतन 1.7 पर्सेंट तक अपनी कीमतों में इजाफा किया है। इससे पहले सितंबर में कंपनी ने 1.9 पर्सेंट और अप्रैल में 1.6 पर्सेंट तक कीमत बढ़ाई थी। मारुति, टाटा, एमजी, ह्यूंदै जैसी कंपनियों ने अपनी कारों की कीमत बढ़ा दी है। बीते साल कई कंपनियों ने अपने कारों की कीमत में इजाफा किया है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण कंपनी की प्रॉडक्शन इनपुट कॉस्ट बढ़ना है।

टीवी18 ब्रॉडकास्ट का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 17.4 प्रतिशत घटा

मुंबई । मीडिया कंपनी टीवी18 ब्रॉडकास्ट लिमिटेड ने बताया कि दिसंबर, 2021 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 17.4 प्रतिशत घटकर 311.55 करोड़ रुपये रहा है। टीवी18 ब्रॉडकास्ट ने बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में उसने 377.20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। हालांकि, अक्टूबर-दिसंबर 2021 के दौरान कंपनी की एकीकृत परिचालन आय 15.15 प्रतिशत बढ़कर 1,567.08 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे एक साल पहले की समान अवधि में 1,360.95 करोड़ रुपये थी। टीवी18 ब्रॉडकास्ट का ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय (ईबीआईटीडीए) 355.59 करोड़ रुपये रही। यह उसके इबीआईटीडीए का अबतक का सबसे ऊंचा स्तर है।

आईजीईएसएल के आईपीओ में 400 करोड़ रुपये के शेयरों की पेशकश करेगी आइनॉक्स विंड

मुंबई । आइनॉक्स विंड के निदेशक मंडल की समिति ने कंपनी को अपनी इकाई आइनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज लि. (आईजीईएसएल) के प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में भाग लेने की मंजूरी दे दी है। आइनॉक्स विंड आईपीओ में 400 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेगी। इससे पहले छह दिसंबर, 2021 को आईजीईएसएल के बोर्ड ने कंपनी को आईपीओ के द्वारा धन जुटाने की मंजूरी दे दी थी। बोर्ड ने कंपनी को 500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करने और कुछ मौजूदा और पात्र शेयरधारकों की ओर से बिक्री पेशकश लाने की मंजूरी दी थी।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैग्न ने पीयूष अरोड़ा को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

मुंबई । पीयूष अरोड़ा स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के नए प्रबंध निदेशक बनाए गए है। उनकी नियुक्ति एक मार्च, 2022 से प्रभावी होगी। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। वह गुरप्रताप बोपाराय का स्थान लेने वाले हैं, जिन्होंने पिछले महीने इस्तीफा दे दिया था। इस भूमिका में अरोड़ा हाल में शुरू हुई 2.0 परियोजना सहित भारत में फॉक्सवैगन समूह के कारोबार का विस्तार करने के लिए जिम्मेदारी होगी। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड फॉक्सवैगन समूह के पांच ब्रांड, स्कोडा, फॉक्सवैगन, ऑडी, पॉर्श और लैम्बोर्गिनी के भारत के परिचालन को देखती है। अरोड़ा मर्सिडीज-बेंज इंडिया से एसएवीडब्ल्यूआईपीएल में शामिल हो रहे हैं। मर्सिडीज बेंज में उन्होंने कार्यकारी निदेशक और परिचालन प्रमुख के रूप में काम किया था। स्कोडा ऑटो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) थॉमस शैफर ने कहा, हमें भारत के कारोबार का नेतृत्व करने के लिए एक बेहद अनुभवी पेशेवर मिला है। उनका काम भारत में फॉक्सवैगन समूह के कारोबार को आगे बढ़ाना और निरंतर विस्तार करना होगा।

आईपीओ के जरिए 7,460 करोड़ रुपये जुटाएगी डेल्हीवरी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्र की कंपनी डेल्हीवरी को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के द्वारा 7,460 करोड़ रुपये जुटाने की बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिली है। मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ के तहत 5,000 करोड़ रुपये के ताजा इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि इसमें मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 2,460 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल हैं। ओएफएस के तहत कार्लाइल समूह और सॉफ्टबैंक के साथ ही डेल्हीवरी के सह-संस्थापक लॉजिस्टिक्स कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने वाले है। कंपनी में फिलहाल सॉफ्टबैंक की 22.78 फीसदी, कार्लाइल समूह की 7.42 फीसदी और चाइना मोमेंटम फंड की 1.11 फीसदी हिस्सेदारी है। आईपीओ से मिली राशि का इस्तेमाल विस्तार योजनाओं और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स कंपनी एक अखिल भारतीय नेटवर्क संचालित करती है और 30 जून 2021 तक कंपनी 17,045 पोस्टल इंडेक्स नंबर (पिन) कोड को सेवाएं दे रही थी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के साथ ही रियल्टी, वाहन एवं धातु कंपनियों के शेयरों के नीचे आने से बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 554.05 अंक करीब 0.90 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ 60,754.86 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 195.05 अंक तकरीबन 1.07 अंक की गिरावट के साथ ही 18,113.05 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति सुजुकी के शेयर सबसे ज्यादा चार फीसदी नीचे आये। वहीं टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक और एलएंडटी के शेयरों को भी नुकसान हुआ है। वहीं दूरसंचार, वाहन, रियल्टी एवं धातु सूचकांकों में 2.76 फीसदी तक की गिरावट आई। दूसरी ओर एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक, डॉ रेड्डीज, टाइटन और नेस्ले इंडिया के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं।

शेयर बाजार के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 855.47 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वहीं सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। आईटीसी, टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व जैसे बड़े शेयरों में तेजी से बाजार ऊपर आया। वहीं इसी प्रकार निफ्टी 35.50 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी की तेजी के साथ ही 18,343.60 पर आ गया। सेंसेक्स में सबसे अधिक 1.49 फीसदी की बढ़त सन फार्मा के शेयरों में आई। इसके अलावा आईटीसी, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, पावरग्रिड और एक्सिस बैंक के शेयर भी ऊपर आये हैं। वहीं दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और एचडीएफसी के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए।

रिलायंस रिटेल ने एडवर्ब टेक में 13.2 करोड़ डॉलर में 54 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस रिटेल ने घरेलू रोबोटिक्स कंपनी एडवर्ब में 13.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 983 करोड़ रुपये) में 54 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। एडवर्ब टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक और सीईओ संगीत कुमार ने बताया कि कंपनी स्वतंत्र रूप से काम करना जारी रखेगी और रिलायंस से मिली धनराशि का इस्तेमाल विदेश में कारोबार के विस्तार तथा नोएडा में एक बड़ा रोबोट विनिर्माण संयंत्र की स्थापना के लिए होगा। कंपनी के पास पहले ही नोएडा में एक विनिर्माण संयंत्र है, जहां हर साल लगभग 10,000 रोबोट बनाए जाते हैं। इस निवेश के साथ रिलायंस के पास एडवर्ब में लगभग 54 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

वे कंपनी में सबसे बड़े शेयरधारक बने हैं।रिलायंस पहले ही हमारे सम्मानित ग्राहकों में से एक था, जिसके साथ मिलकर हमने उनके किराना व्यवसाय जियो मार्ट के लिए उच्च क्षमता वाले स्वचालित गोदामों का निर्माण किया था। सहूलियत और भरोसा, जैसे कारक पहले से मौजूद थे, जिसके कारण यह जुड़ाव हुआ। उन्होंने कहा कि रिलायंस रिटेल के साथ रणनीतिक साझेदारी से हमें नई ऊर्जा पहलों के जरिए 5जी, बैटरी प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''हम एक लाभदायक कंपनी हैं। हम इस धनराशि का इस्तेमाल विदेश में विस्तार करने और विनिर्माण संयंत्रों की स्थापना में करने में कुमार ने कहा, इनदिनों हमारी आय का 80 प्रतिशत हिस्सा भारत से आता है, लेकिन अगले 4-5 वर्षों में भारत और विदेश व्यापार के बीच 50-50 प्रतिशत की हिस्सेदारी होने की उम्मीद है। हमारी आय में सॉफ्टवेयर की कुल हिस्सेदारी 15 प्रतिशत है, जिसमें उल्लेखनीय बढ़ोतरी का अनुमान है। एडवर्ब की स्थापना 2016 में हुई थी और उस चालू वित्त वर्ष के दौरान 400 करोड़ रुपये की आय की उम्मीद है, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

ओप्पो इंडिया ने बिट्स पिलानी के साथ साझेदारी

मुंबई ।

ओप्पो इंडिया ने अपने अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) इंजीनियरों को उन्नत तकनीकी शिक्षा के साथ तैयार करने के लिए बिट्स पिलानी के साथ साझेदारी की है। ओप्पो इंडिया ने कहा कि उद्योग 4.0 के आगमन और विशेषज्ञता के युग में, यह पहल कर्मचारियों के कौशल विकास में मदद करने के हमारे इरादे को दर्शाती है। कंपनी ने कहा कि साझेदारी के तहत बिट्स पिलानी विभिन्न पाठ्यक्रमों के जरिये तकनीकी ज्ञान में वृद्धि के लिए ओप्पो इंडिया के आरएंडडी इंजीनियरों की मदद करेगा।

ह्यूंदै वैन्यू 30 दिन में बेच डाली 10 हजार से ज्यादा कारें

किआ सॉनेट को पीछे छोड़ जमाई अपनी 'धाक'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ह्यूंदै न्यू ने सेल्स चार्ट में जबरदस्त वापसी करते हुए दिसंबर की सेल में किआ सॉनेट को पीछे छोड़ दिया है। एक आंकड़ों के मुताबिक वेन्यू की 10,360 यूनिट दिसंबर 2021 में सेल हुईं। वहीं किआ सॉनेट की सिर्फ 3,578 यूनिट्स ही सेल हुईं। साल 2019 से अब तक ह्यूंदै वेन्यू ग्राहकों की पसंद रही है। अब तक इस कार की 2.5 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं और अभी भी यह कार कंपनी के लिए बढ़िया सेल्स फिगर जेनेरेट कर रही है।हाल ही में दक्षिण कोरिया की सड़कों पर ह्यूंदै वेन्यू फेसलिफ्ट की टेस्टिंग के दौरान झलक दिखी और उसके बाद एक आर्टिस्ट ने वेन्यू फेसलिफ्ट रेंडर इमेज जारी की, जिसमें इस कॉम्पैक्ट एसयूवी के फ्रंट और रियर लुक की जानकारी सार्वजनिक हुई है। रेंडर इमेज के मुताहिक अपकमिंग वेन्यू फेसलिफ्ट कंपनी की प्रीमियम एसयूवी ह्यूंदै टुसो से काफी इंस्पायर्ड होगी और इसके फ्रंट में बिल्कुल नई ग्रिल देखने को मिलेगी। बाद बाकी हेडलैंप और टर्न इंडिकेटर की पोजिशनिंग में कुछ खास बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। फ्रंट बंपर में ज्यादा चौड़े सेंट्रल एयर इनटेक और नई अलॉय व्हील्ज के साथ ही रियर में एलईडी टेललैंप समेत अन्य चीजें दिखेंगी। इसके साथ ही ह्यूंदै की बड़ी बैजिंग भी दिखेगी। बता दें कि ह्यूंदै वैन्यू भारत में साल 2019 में लॉन्च हुई थी और लॉन्च के बाद ही यह कार बेस्टसेलिंग सब कॉम्पैक्ट एसयूवी कारों की लिस्ट में शुमार हो गई थी। कुछ वक्त बाद जब किआ सॉनेट लॉन्च हुई तब इस कार की सेल पर असर पड़ा और वेन्यू की सेल में गिरावट दर्ज की जाने लगी।

ई-वाहन मालिक अब घर या ऑफिस में कर सकेंगे कार चार्ज

अलग से कनेक्शन लेने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक वाहन मालिक अब अपनी कार को घर या ऑफिस में लगे मौजूदा बिजली कनेक्शन से चार्ज कर सकेंगे।इसके लिए अलग से कनेक्शन लेने की जरूरत नहीं है। ई-वाहन मालिक अब घर या ऑफिस में ही अपनी कार (वाहन) चार्ज कर सकेंगे।सरकार ई-वाहन चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए संशोधित दिशा-निर्देश और मानक लेकर आई है। केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने 14 जनवरी, 2022 को ई-वाहनों के चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।यह 1 अक्टूबर, 2019 को मंत्रालय की ओर से जारी संशोधित इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर-दिशानिर्देश एवं मानक का स्थान लेंगे।नए दिशा-निर्देश के तहत वाहन मालिक अब मौजूदा बिजली कनेक्शन का इस्तेमाल कर अपने घर या ऑफिस में अपने ई-वाहन को चार्ज कर सकेंगे।पब्लिक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ लंबी दूरी के ई-वाहनों या भारी ई-वाहनों के लिए सार्वजनिक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी आवश्यकताओं को भी चिन्हित किया गया है मंत्रालय ने कहा कि नए दिशा-निर्देश का मकसद सुरक्षित, सुलभ, विश्वसनीय, किफायती चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और इकोसिस्टम उपलब्ध कराकर देश में ई-वाहनों के इस्तेमाल को तेजी से बढ़ावा देना है। इससे न सिर्फ लोग ई-वाहनों को तेजी से अपनाएंगे बल्कि ऊर्जा की भी बचत होगी।कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी।नए दिशा-निर्देश के तहत अब कोई भी व्यक्ति या संस्था किसी लाइसेंस अनिवार्यता के बिना ही पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर सकेंगे। दिशा-निर्देश में ई-वाहन चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण एवं चार्जिंग स्टेशन संचालकों/मालिकों और ई-वाहन मालिकों से वसूले जाने वाले किफायती टैरिफ की व्यवस्था में सकारात्मक समर्थन पर जोर दिया गया। चार्जिंग स्टेशन को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने में जमीन इस्तेमाल के लिए एक राजस्व साझेदारी मॉडल बनाया गया है।सेवा शुल्क की सीमा राज्य सरकार तय करेगी। इसके लिए जरूरी है कि ऐसे स्टेशन ऊर्जा मंत्रालय, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के समय-समय पर निर्धारित निर्देशों के तहत तकनीक के साथ सुरक्षा, प्रदर्शन मानकों और प्रोटोकॉल को पूरा करते हों।

निसान कंपनी लॉन्च कर सकती नई 7 सीटर कार

-अर्टिगा के साथ होगी इस कार की टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जानीमानी निसान कंपनी 10 लाख रुपये से कम प्राइस के साथ एक नई 7 सीटर एमपीवी इंडियन मार्केट में लॉन्च कर सकती है। कंपनी अपना पोर्टफोलियो बढ़ाते हुए कम दाम में 7 सीटर एमपीवी लाने की तैयारी कर रही है और सबकुछ ठीक रहा तो यह इस साल लॉन्च हो सकती है। निसान की अपकमिंग एमपीवी का सीधा मुकाबला मारुति अर्टिगा से होगा। हालांकि, निसान इंडिया ने अपनी अपकमिंग एमपीवी को लेकर कुछ खास जानकारी नहीं दी है, लेकिन मार्केट में चर्चा जोरों पर है कि निसान मैग्नाइट जैसी सस्ती एसयूवी के बाद अब कंपनी सस्ती एमपीवी पर फोकस करने वाली है और इंडियन कस्टमर्स को नए विकल्प देने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो निसान की अपकमिंग एमपीवी को सीएमएफ-ए प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जा सकता है और इसके फीचर्स निसान मैग्नाइट जैसे रखे जाएंगे। ज्यादातर संभावना है कि इसमें रेनॉल्ट ट्राइवर जैसी खूबियां भी दिखे, क्योंकि निसान और रेनॉल्ट के बीच साझेदारी है। माना जा रहा है कि निसान की अपकमिंग एमपीवी लुक और फीचर्स में काफी अपडेटेड होगी। वहीं संभावित इंजन और पावर की बात करें तो टीएम बीएचपी की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें 1.0 लीटर 3 सिलिंडर नेचरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और 1.0 लीटर 3 सिलिंडर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन देखने को मिल सकता है, जो कि 99बीएचपी तक की पावर और 140एनएम टॉर्क जेनरे करने में सक्षम होगा। इसे मैनुअल और सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन में पेश किया जा सकता है। बता दें कि भारत में बजट प्राइस रेंज में बड़ी कार कौन नहीं चाहता है, जिसमें वह अपनी 6-7 लोगों की फैमिली को कहीं घुमाने ले जा सके। अब जब बात सस्ती 7 सीटर एमपीवी की हो तो इस सेगमेंट में मारुति सुजुकी की धांसू कार मारुति अर्टिगा के साथ ही रेनॉल्ट ट्राइबर और डैटसन गो प्लस लोगों के सामने विकल्प के रूप में हैं।

महामारी के बावजूद 82% भारतीय पेशेवर 2022 में नौकरी बदलना चाहते हैं: लिंक्डइन

नई दिल्ली: (एजेंसी)

कोरोना वायरस महामारी के बावजूद बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर 2022 में नौकरी बदलने पर विचार कर रहे है। एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। ऑनलाइन पेशेवर नेटवर्क लिंक्डइन ने नई नौकरी तलाशने वालों पर शोध शुरू किया है। कंपनी ने अपने शोध में पाया कि 2022 में करीब 82 प्रतिशत पेशेवर नौकरी बदलने पर विचार कर रहे हैं। लिंक्डइन ने भारत में 1,111 पेशेवरों के साथ किये सर्वेक्षण में पाया कि कर्मचारी खराब कार्य-जीवन संतुलन, पर्याप्त वेतन नहीं होने या अपने पेशे को लेकर बड़ी महत्वाकांक्षाओं के कारण अपनी वर्तमान नौकरी छोड़ना चाहते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में नौकरी बदलने की इच्छा जताने वाले पेशेवरों ने कहा कि लचीली कार्य व्यवस्था उनकी शीर्ष प्राथमिकता है। लिंक्डइन न्यूज के प्रबंध संपादक-भारत अंकित वेंगुर्लेकर ने कहा, ''कोरोना महामारी ने लोगों को अपने करियर के बारे में पुनर्विचार करने और जीवन में नए उद्देश्य

और प्राथमिकताओं को पूरा करने को लेकर नौकरी के नए अवसरों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया है।'' उन्होंने कहा, ''सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल और कारोबार विकास क्षेत्र में तकनीक संबंधी कौशल की मांग तेजी से बढ़ रही है।'' लिंक्डइन के शोध में साथ ही खुलासा किया गया है कि भारत में पेशेवर अपनी नौकरी की भूमिका, करियर और रोजगार की उपलब्धता को लेकर आश्वस्त हैं।

गांगुली और जय शाह बने रहेंगे या विदा होंगे ?

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह की अध्यक्ष और सचिव पद से जल्द ही छुट्टी हो सकती है। सचिव जय शाह का कार्यकाल भी इस साल अक्टूबर में समाप्त होगा। जल्द ही दोनों के भविष्य पर फैसला होगा। गांगुली और शाह अक्टूबर 2019 में निर्विरोध बीसीसीआई के अध्यक्ष और सचिव निर्वाचित हुए थे। इन दोनों का कार्यकाल 2018 जुलाई और अगस्त में ही खत्म हो गया था। इससे पहले ही दोनों ने इसे बढ़ाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील भी की थी। अब देखना होगा कि क्या दोनों की जगह बीसीसीआई को कोई नया अध्यक्ष और सचिव मिलेगा या फिर ये दोनो ही अपने पद पर बने रहेंगे। इन दोनो के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि आईपीएल और भारतीय टीम के क्रिकेट कार्यक्रम का सफल आयोजन रहा है। इसके अलावा मुख्य कोच के तौर पर राहुल द्रविड़ और नेशनल क्रिकेट एकडेमी (एनसीए) अध्यक्ष के लिए पूर्व बल्लेबाज वी वी एस लक्ष्मण को जोड़ने में भी ये सफल रहे। द्रविड़ और लक्ष्मण के आने से भारतीय क्रिकेट को लाभ होना तय है। इन दोनो के अनुभवों का लाभ भारतीय क्रिकेट बोर्ड को मिलेगा। बीसीसीआई के नए संविधान के अनुसार, राज्य संघ या बोर्ड में छह साल के कार्यकाल के बाद तीन साल के कूलिंग ऑफ पीरियड पर जाना जरुरी है।

भारत- दक्षिण अफ्रीका पहला एकदिवसीय आज

दोपहर 2 बजे से शुरु होगा मैच

पार्ल (एजेंसी) ।

भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां तीन एकदिवसीय मैचों की क्रिकेट सीरीज के पहले मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उतरेगी। इस मैच में लोकेश राहुल भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे क्योंकि सीमित ओवरों के नियमित कप्तान रोहित शर्मा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इस मैच में सभी की नजर पूर्व कप्तान विराट कोहली पर भी रहेंगी। विराट इस मैच में केवल एक बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे। यह भी देखा जाएगा कि कप्तानी छोड़ने के बाद वह कैसी बल्लेबाजी कर पाते हैं। विराट पिछले दो साल से शतक नहीं लगा पाये हैं और प्रशंसकों को उम्मीद रहेगी कि वह इस मैच में शतक लगायें। वहीं इस सीरीज में कप्तानी कर रहे राहुल की नेतृत्व क्षमता की भी परीक्षा होगी। विराट के होने से राहुल उनसे जरुरी सलाह ले सकेंगे। राहुल ने दूसरे टेस्ट में विराट के बाहर होने के कारण कप्तानी की थी पर उस मैच में भारतीय टीम हार गयी थी। राहुल को इस मैच में विराट से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। भारतीय टीम को टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब भारतीय टीम यह मैच जीतकर एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत जीत से करना चाहेगी। भारतीय टीम के बल्लेबाज टेस्ट सीरीज में नाकाम रहे थे पर उन्हें अब इस एकदिवसीय सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इसके अलावा गेंदबाजों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इस मैच में अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन को भी अवसर मिल सकता है। अगर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह मिलती है तो वह लोकेश राहुल के साथ पारी शुरु कर सकते हैं। इस मैच में युवा रूतुराज गायकवाड़ को शायद ही अवसर मिले। धवन के लिए यह तीनों मैच काफी अहम होंगे। इस मैच में विराट तीसरे नंबर पर उतरेंगे जबकि चौथे नंबर के लिये सूर्यकुमार यादव और श्रेयस अय्यर के बीच में से किसी एक खिलाड़ी को अवसर मिलेगा। वहीं ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और युवा वेंकटेश अय्यर छठे नंबर पर पदार्पण कर सकते हैं। स्पिन गेंदबाजी की कमान युजवेंद्र चहल और आर अश्विन पर रहेगी। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार के पास रहेगी। तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर दीपक चाहर, शारदुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा में से एक को अवसर मिल सकता है। चोटिल हुए मोहम्मद सिराज भी फिट हो गये हैं पर अभी उन्हें शायद ही अवसर मिले। पिछले दौरे पर भारत ने दक्षिण अफ्रीका को वनडे श्रृंखला में 5-1 से हराया था और वह इस बार भी यह सिलसिला बनाये रखना चाहेगी पर इस बार हालात अलग हैं। मेजबान टीम दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज जीतने के बाद से ही उत्साहित है। टीम के कप्तानतेम्बा बावुमा इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करन चाहेंगे। टीम के पास अनुभवी क्विंटोन डिकॉक जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं तेज गेंदबाज मार्को जेनसन से भी भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा। जेनसन ने टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। मेजबान टीम को बेहतर घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा।

पूर्णकालिक टेस्ट कप्तान बनने के बारे में नहीं सोचा : राहुल

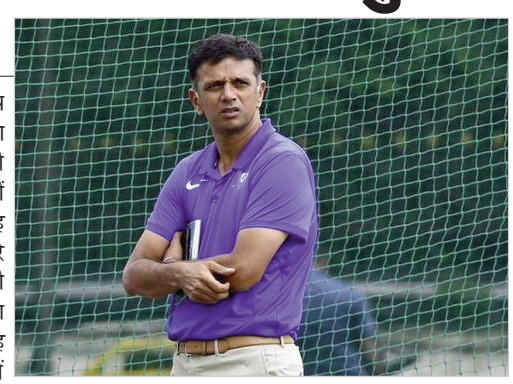

पार्ल (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिये कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि उन्होंने कभी भी पूर्णकालिक टेस्ट कप्तान बनने के बारे में नहीं सोचा है पर अगर उन्हें कप्तानी दी गयी तो वह अपनी ओर से टीम को आगे ले जाने के पूरे प्रयास करेंगे। राहुल ने पहले एकदिवसीय की पूर्व संध्या पर कहा, ''देश की अगुवाई करना किसी भी खिलाड़ी का सपना होता है और यह ऐसा है जिसे वह लंबे समय तक यादों में संजोकर रखेगा। मैं भी इससे कोई अलग नहीं हूं।'' उन्होंने कहा, ''यह रोमांचक होगा पर मैं अभी वास्तव में इस बारे में नहीं सोच रहा हूं पर यदि ऐसा होता है तो अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से टीम और भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के प्रयास करूंगा।'' भारतीय टीम के दक्षिण अफीका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में मिली हार के बाद विराट कोहली ने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी। उसके बाद से ही नये कप्तान के लिए संभावित दावेदार सामने आये हैं। कोहली के चोटिल होने पर राहुल ने दूसरे टेस्ट मैच में टीम की कमान संभाली थी, ऐसे में वह भी कप्तानी के एक दावेदार हैं। राहुल ने कहा कि जब तक उनके नाम पर चर्चा नहीं होने लगी थी तब तक उन्होंने इस पर खास ध्यान नहीं दिया था।

सैयद मोदी बैडमिंटन : प्रणय दूसरे दौर में पहुंचे, समीर चोटिल होकर बाहर

लखनऊ : भारत के एचएस प्रणय ने सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल मुकाबले में मंगलवार को यहां यूक्रेन के डैनिलो बोस्नियुक पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। इस पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने बोस्नियुक को 21-14, 21-18 से हराने में सिर्फ 36 मिनट का समय लिया। पूर्व शीर्ष 10 रैंकिंग के खिलाड़ी रहे प्रणय पिछले सप्ताह इंडिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में 20 साल के लक्ष्य सेन के खिलाफ हार का सामना करने के पहले अच्छी लय में थे। दूसरे दौर में उनके सामने हमवतन प्रियांशु राजावत की चुनौती होगी, जिन्हें पहले दौर में राहुल यादव चित्तोबिना के खिलाफ वॉकओवर मिला है। चौथी वरीयता प्राप्त समीर वर्मा को आयरलैंड के न्हाट न्यूगेन के खिलाफ मैच के बीच में ही 'रिटायर हर्ट' होना पड़ा, जिससे टूर्नामेंट में उनका सफर यही रूक गया।' समीर ने पहले गेम के दौरान पिंडली में दर्द के कारण मैच से हटने का फैसला किया। उस समय वह 2-7 से पीछे चल रहे थे। उन्हें यह चोट पिछले साल अक्टूबर में लगी थी। शुभंकर डे को भी चोट के कारण हमवतन कार्तिकेय गुलशन कुमार के खिलाफ अपने मैच को बीच में छोड़ना पड़ा। उस समय वह शुरुआती गेम में 2-9 से पीछे थे। महिलाओं में अष्मिता चालिहा ने पहले दौर में मालविका बंसोड़ को वॉकओवर दिया, जबकि आकर्षी कश्यप ने मुग्धा अग्रे को 21-13, 21-14 से और अनुपमा उपाध्याय ने रितुपर्णा दास को हराया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और शीर्ष वरीय पीवी सिंधू बुधवार हमवतन तान्या हेमंत के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी, जबकि लंदन खेलों की कांस्य पदक विजेता चौथी वरीयता प्राप्त साइना नेहवाल पहले दौर में चेक गणराज्य की तेरेजा स्वाबिकोवा से भिड़ेंगी।

मेदवेदेव ओर मेडिसन ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के दूसरे दौर में पहुंचे

मेलबर्न (एजेंसी)।

रुस के दानिल मेदवेदेव ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। मेदवेदेव ने पुरुष एकल के पहले दौर में हेनरी लाकसोनेन को 6-1, 6-4, 7-6 से हराया। पुरूष वर्ग में ही आंद्रेइ रूबलेव ने जियांलुका मागेर को 6-3, 6-2, 6-2 से हराया। वहीं 11वीं रैंकिंग वाले यानिक सिनेर ने जोओ सोउसा को 6-4, 7-5, 6-1 से पराजित किया। सैम स्टोसुर ने रॉबिन एंडरसन को 6-7, 6.3, 6-3 से हराया। वहीं महिला वर्ग में वाइल्ड कार्डधारी मेडिसन इंग्लिस ने कनाडा की लैला फर्नांडिज को 6-2, 6-4 से हराया। एक अन्य मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त गार्बाइन मुगुरूजा ने क्लारा बुरेल को 6-3, 6-4 से हराया।

अब उनका सामना फ्रांस की अनुभवी एलिजे कोर्नेत से होगा जिन्होंने विक्टोरिया टोमोवा को

6-3, 6-3 से हराया। एनेट कोंटावेट ने कैटरीना सिनियाकोवा को 6-2, 6-3 से हराया। इगा स्वियातेक ने ब्रिटिश क्वालीफायर हैरियेट डार्ट को 6-3, 6-0 से पराजित किया। एलिजे मर्तेंस ने वेरा ज्वानारेवा को 6-4, 7-5 से शिकस्त दी।

संक्षिप्त समाचार

बिग बैश में खेलने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर बने उन्मुक्त

मेलबर्न। भारतीय अंडर-19 टीम के पूर्व कप्तान उन्मुक्त चंद ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट लीग (बिग बैश) में खेलने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने हैं। उन्मुक्त ने मेलबर्न रेनेगेड्स की ओर से होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ मैदान में उतरते ही यह उपलब्धि हासिल की है। उन्मुक्त ने पिछले साल राष्ट्रीय टीम में आने की संभावनाएं समाप्त होने के साथ ही क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। यह क्रिकेटर इसके बाद अमेरिकी क्रिकेट लीग से जुड़ गया था। उन्मुक्त ने आईपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स, मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेला है। इस क्रिकेटर ने तकरीबन एक दशक तक घरेलू क्रिकेट के दौरान 67 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। उन्मुक्त चंद साल 2012 में ऑस्ट्रेलिया में खेले गए अंडर-19 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद एक स्टार क्रिकेटर बनकर उभरे थे। तब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ नाबाद 111 रन की पारी खेली थी हालांकि इसके बाद उनका करियर वैसा नहीं रहा जैसी उम्मीद थी। वह राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पायी। आंखिरकार 28 साल की उम्र होन के कारण उन्होंने खेल को अलविदा कहना ही ठीक समझा। वहीं महिला क्रिकेटरों की बात करें तो हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना सहित आठ भारतीय महिला क्रिकेटर बिग बैश लीग से जुड़ी हैं।

आईपीएल से हटे स्टोक्स

लंदन । इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर रहेंगे। स्टोक्स ने अपने काम के बोझ का कम करने और मानसिक रूप से तरोताजा रहने के लिए ही आईपीएल से बाहर रहना तय किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार स्टोक्स को आईपीएल नहीं खेलने से आर्थिक रुप से नुकसान होगा पर वह इसके बाद भी गर्मियों के सत्र में इंग्लैंड की घरेलू सीरीज पर अपना ध्यान केन्द्रित करना चाहते हैं क्योंकि एशेज सीरीज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह पांच टेस्ट मैचों में 250 रनों तक भी नहीं पहुंच पाये। इंग्लैंड को इस सीरीज में 4-0 की करारी हार का सामना करना पड़ा था। गौरतलब है कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड गावर सहित कई पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि टी20 लीग मुकाबलों में खेलने के कारण ही टीम का प्रदर्शन नीचे आ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण स्टोक्स ने आईपीएल से बाहर रहने का फैसला किया है। स्टोक्स के लिए पिछले कुछ साल काफी कठिन रहे हैं। उनके पिता की 13 महीने पहले मृत्यु हो गई थी। उन्होंने इसके बाद मानसिक सेहत को ध्यान में रखते हुए ही लंबा ब्रेक लिया। वह अंगुली में फैक्चर के कारण ही आईपीएल 2021 के पहले चरण में अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स से भी बाहर रहे और इसके बाद दूसरे चरण के लिए टीम से नहीं जुड़े।'

पहले एकदिवसीय में 9 रन बनाते ही विराट बनाएंगे रिकार्ड

विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनेंगे

नई दिल्ली(एजेंसी) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को पार्ल में होने वाले पहले एकदिवसीय मुकाबले में नौ रन बनाते ही एक नया रिकार्ड अपने नाम करेंगे। इसी के साथ ही विराट भारत की ओर से विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी सचिन तेंदुलकर भारत की तरफ से विदेशी धरती पर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन ने 147 मैचों में 37.24 की 5065 रन बनाए थे, इसमें 12 शतक और 24 अर्धशतक हैं। वहीं विराट ने अबतक 107 मुकाबलों में 58.12 के औसत से 5057 रन बनाए हैं और वह सचिन से केवल आठ रन पीछे हैं। इस दौरान उन्होंने 20 शतक और 23 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं पूर्व भारतीय कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी 145 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मच में 4520 रनों के साथ इस सूची में तीसरे नंबर पर है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका में अबतक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के 17 मुकाबलों में 87.70 की औसत से 877 रन बनाए हैं। इसमें तीन शतक और इतने ही अर्धशतक हैं। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद रहेगी कि वह इस मैच में शतक लगाने के साथ ही एक और रिकार्ड अपने नाम करें।

विदेशी धरती पर एकदिवसीय में भारतीय की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

- 147 मैच, 5065 रन - सचिन तेंदुलकर
- 107 मैच, 5057 रन - विराट कोहली
- 145 मैच, 4520 रन - महेन्द्र सिंह धोनी

पूर्व क्रिकेटर को मिला मैच फिक्सिंग का प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

क्रिकेट में एक बार फिर मैच फिक्सिंग का मामला सामने आया है। अब पूर्व क्रिकेटर राजगोपाल सतीश ने कहा है कि उन्हें मैच फिक्स करने के लिए रकम की पेशकश की गयी थी पर उन्होंने इंकार कर दिया। इस मामले में उन्होंने बेंगलुरु पुलिस से शिकायत की है। तमिलनाडु के सतीश ने अपने राज्य के अलावा घरेलू क्रिकेट में असम की ओर से भी खेला है। 41 साल के सतीश अब तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) में चेपॉक सुपर टीम की तरफ से खेलते हैं और ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें इसी टूर्नामेंट में मैच फिक्सिंग का प्रस्ताव दिया गया होगा। पुलिस से पहले उन्होंने बीसीसीआई के सामने इस मामले को उठाया और आईसीसी को भी इस बारे में बता दिया था। इस मामले में एक औपचारिक पुलिस शिकायत भी दर्ज करायी गयी है। वहीं एक विशेष टीम को इस बारे में जानकारी दे दी गई है। पुलिस को इसमें किसी आनंद नाम के आरोपी की तलाश है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायत बीसीसीआई के एंटी करप्शन यूनिट के बी लोकेश ने बेंगलुरु में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके अनुसार 3 जनवरी को आनंद ने ही इंस्टाग्राम पर सतीश को मैसेज करके फिक्सिंग के लिए 40 लाख रुपये का प्रस्ताव दिया था। साथ ही कहा कि दो खिलाड़ियों ने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है।

रेनेसां का एनएफएल फुटबॉल लीग के साथ करार

नई दिल्ली । आभूषण विनिर्माता रेनेसां ग्लोबल लिमिटेड ने अमेरिका की नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के साथ एक लाइसेंसिंग करार किया है। इसके तहत एनएफएल ब्रांडेड आभूषण संग्रह के डिजायन तैयार किए जाएंगे , नए आभूषण संग्रह में खेल भावना को दिखाया जाएगा। कंपनी ने कहा कि समझौते के तहत विकसित आभूषण संग्रह को अमेरिकी बाजार में बेचा जाएगा। रेनेसां ग्लोबल लिमिटेड के चेयरमैन और वैश्विक सीईओ सुमित शाह ने कहा, ''नेशनल फुटबॉल लीग एक प्रतिष्ठित अमेरिकी ब्रांड है, जिसे दुनिया भर के सभी फुटबॉल प्रेमी पसंद करते हैं। हमें इस रणनीतिक साझेदारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।'' उन्होंने कहा कि नए आभूषण संग्रह में खेल भावना को दिखाया जाएगा। इससे देश में फुटबॉल को भी बढ़ावा मिलेगा।

लेवांडोव्स्की बने साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉल खिलाड़ी

मैसी और रोनाल्डो को पीछे छोड़ा

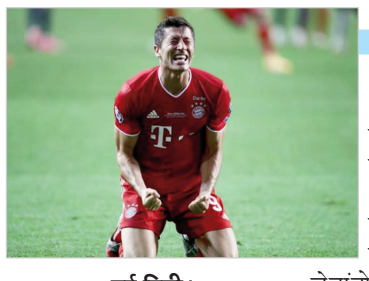

नई दिल्ली।

पोलैंड के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की 2021 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉल खिलाड़ी बने हैं। लेवांडोव्स्की ने दूसरी बार यह उपलब्धि अपने नाम की है। इस प्रकार लेवांडोव्स्की ने अर्जेंटीना और फ्रेंच क्लब पीएसजी के दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी ओर पुर्तगाल व मैनचेस्टर यूनाइटेड के क्रिस्टियानो को पीछे छोड़ा है। लेवांडोव्स्की ने बुंदेसलीगा के पिछले सत्र में रिकॉर्ड 41 गोल किए थे। तब उन्होंने गर्ड मुलर के एक सत्र में 40 गोल के 49 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा था। वहीं मेसी साल के दूसरे सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी बने हैं जबकि तीसरे स्थान पर मिस्र और लिवरपूल के मोहम्मद सालाह हैं। वहीं इससे पहले रोनाल्डो फीफा अवॉर्ड्स की दौड़ से बाहर हो गए थे। पांच बार के विजेता रोनाल्डो 2007 में फीफा पुरस्कारों के लिए पहली बार नामांकित होने के बाद से केवल दूसरी बार इस सूची में जगह बनाने में विफल रहे। वह पहली बार 2010 के पुरस्कारों की सूची में जगह बनाने से रह गये थे। तब मेसी ने आंद्रे इनिएस्ता और जावी को पीछे छोड़कर खिताब अपने नाम किया था। रोनाल्डो भी लगातार 2 साल फीफा के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी रहे हैं। मेसी ने पिछले साल कोपा अमेरिका कप के जरिये अर्जेंटीना के साथ अपना बड़ा खिताब जीता था। वहीं, पिछले साल रिकॉर्ड सातवीं बार बैलन डीओर सम्मान भी हासिल किया था। वो सबसे ज्यादा बार इस खिताब को जीतने वाले खिलाड़ी हैं। मेसी ने रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को पीछे छोड़कर ही सम्मान हासिल किया था। वहीं महिलाओं में बार्सिलोना की एलेक्सिया पुटेलस और जेनिफर हर्मोसो के साथ चेल्सी की सैम केर फीफा वुमेन प्लेयर ऑफ द ईयर की दौड़ में शामिल थीं। पुटेलस ने पिछले महीने ही महिला बैलन डी ओर का खिताब जीता था। इसमें हर्मोसो दूसरे और केर तीसरे स्थान पर रही थीं। 27 साल की पुटेलस स्पेनिश लीग और यूईएएफ चैम्पियंस लीग का खिताब जीतने वाली बार्सिलोना टीम की अहम खिलाड़ी थीं।

बुमराह से कोई शिकायत नहीं , हम दोनो अच्छे दोस्त : जेनसन

पार्ल ।

दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज मार्को जेनसन ने कहा है कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह उनके अच्छे दोस्त हैं और उन दोनो के बीच किसी प्रकार के कोई मतभेद नहीं हैं। जेनसन ने कहा कि भारतीय टीम के साथ टेस्ट सीरीज के दौरान दोनो के बीच हो नोक-झोंक हुई थी उसका कारण यह था कि दोनो ही अपने देश की ओर से खेलते समय जुनूनी हो जाते हैं पर उनके मन में किसी प्रकार की कोई खराब भावना नहीं है। जेनसन और बुमराह के बीच दूसरे और तीसरे टेस्ट के दौरान कुछ अवसरों पर बहस हो गयी थी। जेनसन ने सोशल मीडिया के जरिये कहा, '' मैंने आईपीएल में बुमराह के साथ खेला है और हम अच्छे दोस्त हैं। साथ ही कहा कि जब आप अपने देश के लिए खेल रहे होते है तो आप हमेशा हावी होना चाहेंगे। इस दौरान कभी-कभी मैदान पर आज भावनाओं में बह जाते हैं।'' उन्होंने कहा, '' उसने भी वैसी ही प्रतिक्रिया दी और किसी के मन को कोई खराब भावना नहीं है। वहां माहौल ही वैसा था। यह दो ऐसे खिलाड़ियों के बीच हुआ जो देश के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा रहे थे।'' मैदान पर अपने उग्र रवैये के बाद भी जेनसन का कहना है कि कि उनका व्यक्तित्व अंतर्मुखी है। उन्होंने कहा, '' मैं मैदान के बाहर थोड़ा अंतर्मुखी हूं पर मैं मैदान पर अपने को उस खेल में अभिव्यक्त करना चाहता हूं जिससे मैं सबसे ज्यादा प्यार करता हूं। मैं खेल के लिए जुनून और जज्बा दिखाना चाहता हूं।'' टेस्ट श्रृंखला में भारतीय टीम पर मिली जीत के बाद भी जेनसन का कहना है कि वह आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम को हलके में नहीं ले रहे है। उन्होंने कहा, '' हम टेस्ट श्रृंखला की लय को आगे बढ़ाने की उम्मीद करते हैं पर हम भारतीय टीम को कम आंकने की भूल नहीं करने जा रहे हैं क्योंकि भारतीय टीम शीर्ष स्तर की है।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडयिा अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इस्लामाबाद में गोलीबारी में पाकिस्तानी पुलिसकर्मी, दो बंदूकधारी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सोमवार रात दो बंदूकधारियों ने सड़क किनारे चौकी में तैनात पुलिस अधिकारियों पर गोलियां चलाईंजिसमें एक अधिकारी की मौत हो गई और मुठभेड़ में दोनों हमलावर भी मारे गए। पुलिस ने एक बयान में कहा कि एक बाजार के पास हुए हमले में दो पुलिसकर्मी घायल भी हुए हैं जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया है। देश के गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने हमले की निंदा की और जांच के आदेश दिए। हमले की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है और पुलिस अभी जांच कर रही है। हालांकि उग्रवादी अक्सर पाकिस्तान में सुरक्षाबलों को निशाना बनाते हैं, लेकिन इस्लामाबाद में इस तरह के हमले दुर्लभ हैं।

पश्चिमी अफगानिस्तान में तेज भूकंप के झटके, अब तक 26 लोगों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के पश्चिम में स्थित बदगीस प्रांत में सोमवार दोपहर को दो बार आए भूकंप के झटकों से तुर्कमेनिस्तान से सटा यह सीमावर्ती इलाका बुरी तरह हिल उठा और इसके कारण हुए हादसों में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पश्चिमी अफगानिस्तान में आए भूकंप में कम से कम 26 लोग मारे गए हैं। प्रांत के प्रवक्ता बाज मोहम्मद सरवरी ने समाचार एजेंसियों को बताया कि पश्चिमी प्रांत बादगीस के कादिस जिले में सोमवार को उनके घरों की छतें गिरने से पीड़ितों की मौत हो गई।भूकंप में मारे गए 26 लोगों में पांच महिलाएं और चार बच्चे हैं।र उन्होंने कहा कि चार और लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि भूकंप से प्रभावित हुए दूरदराज के गांवों में अभी भी राहत एवं बचाव कार्य जारी है। प्रांत के संस्कृति एवं सूचना विभाग के प्रमुख बास मोहम्मद सरवरी ने बताया कि भूकंप के कारण हुई तबाही में कई घर ढह गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार 5.3 तीव्रता का पहला भूकंप दोपहर करीब दो बजे जबकि 4.9 तीव्रता का दूसरा भूकंप शाम करीब चार बजे महसूस किया गया। सरवरी के मुताबिक, प्रांत के दक्षिणी भाग में स्थित कदिस जिले में भूकंप से सर्वाधिक नुकसान पहुंचा है और सबसे अधिक लोग हताहत हुए हैं।

बंधक बनाए गए टेक्सास के यहूदी धर्मगुरु समेत तीन लोग भागने में सफल रहे

कॉलेविले (अमेरिका)। अमेरिका के टेक्सास स्थित यहूदी प्रार्थना केंद्र के धर्मगुरु ने कहा कि 10 घंटे तक चले गतिरोध के बाद उन्होंने बंदूकधारी पर कुर्सी फेंक दी और बंधक बनाए गए दो अन्य लोगों के साथ भाग निकले। यहूदी धर्म गुरु चार्ली साइट्रोन वाकर ने 'सीबीएस मार्निंग' से सोमवार को कहा कि पहली नजर में संबंधित व्यक्ति डरावना और संदिग्ध नहीं लगा, लेकिन बाद में उन्होंने प्रार्थना के दौरान बंदूक का ट्रिगर दबने की आवाज सुनी। प्रशासन ने लोगों को बंधक बनाने वाले व्यक्ति की पहचान 44 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक मलिक फैसल अकरम के रूप में की है, जो अंतिम बंधक के भाग जाने के बाद शनिवार रात मारा गाया। बंधक बनाए गए लोगों में जेफरी आर कोहेन भी थे। कोहेन ने फेसबुक पर लिखा, ह्यह्यपहली बात तो यह कि हम सब बच गए। हमें मुक्त नहीं किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने अबु धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे, औद्योगिक क्षेत्र पर हमलों की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने अबु धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और पास के औद्योगिक क्षेत्र पर हुए संदिग्ध ड्रोन हमलों की निंदा की। इस घटना में दो भारतीय और एक पाकिस्तान नागरिक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी में सोमवार को अबु धाबी हवाईअड्डे के पास संदिग्ध ड्रोन हमले और उसके बाद हुए कई विस्फोटों में तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए थे। विस्फोट 'छोटी उड़ने वाली वस्तुओं' संभवत: ड्रोन के कारण हुए थे जिन्होंने अबु धाबी में तीन पेट्रोलियम टैंक को अपनी चपेट में ले लिया। सोमवार को जारी एक बयान में, गुतारेस ने सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और क्षेत्र में अत्यधिक तनाव के बीच किसी भी तरह से और तनाव न बढ़ने देने का आह्वान किया। बयान में कहा गया कि महासचिव ने अबु धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और पास के औद्योगिक मुसफ्फाह इलाके पर हमलों की निंदा की। इन हमलों में कई असैन्य लोगों के हताहत होने और हूती विद्रोहियों द्वारा इसकी जिम्मेदार लिए जाने की खबरें आ रही हैं। असैन्य नागरिकों और असैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून द्वारा प्रतिबंधित हैं। यमन में संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है, इस बात पर जोर देते हुए गुतारेस ने पक्षों से उनके विशेष दूत हैंस ग्रंडबर्ग के साथ रचनात्मक बातचीत करने और यमन में संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक व्यापक समझौते तक पहुंचने के लिए राजनीतिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से उनकी मध्यस्थता के प्रयासों में बिना किसी पूर्व शर्त के उनका साथ देने का अनुरोध किया। यूएई में भारतीय दूतावास ने कहा कि दूतावास हताहतों पर और जानकारी के लिए संबंधित यूएई अधिकारियों से करीब संपर्क में है। भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, 'यूएई अधिकारियों ने सूचित किया कि एडनोक के भंडार टैंकों के पास, मुसफ्फाह में विस्फोट के चलते तीन लोगों की मौत हुई जिसमें दो भारतीय नागरिक शामिल हैं। अबु धाबी में भारतीय दूतावास और ब्योरों के लिए संबंधित यूएई अधिकारियों के साथ करीब संपर्क में हैं।

भारत के 450 गीगावाट सौर ऊर्जा लक्ष्य में समर्थन के लिए अमेरिका, ब्रिटेन के संपर्क में हूं: गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने सोमवार को कहा कि वह भारत को 450 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता हासिल करने में मजबूत समर्थन सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका, ब्रिटेन और कई अन्य देशों के साथ निकट संपर्क में हैं। गुतारेस ने कहा कि भारत को एक गठबंधन पसंद नहीं है, लेकिन उसने समर्थन के कई द्विपक्षीय रूपों को स्वीकार किया है। गुतारेस 2022 विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की शुरूआत के मौके पर डिजिटल तरीके से संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कोयले के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए और कोई भी नया कोयला संयंत्र नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अमेरिका और चीन के बीच एक समझौता हुआ है तथा मुझे उम्मीद है कि इससे चीन को अधिक पर्याप्त प्रौद्योगिकियां मिल सकेंगी ताकि वह अधिक तेजी से कोयले के इस्तेमाल को समाप्त कर सके।' गुतारेस ने कहा, 'भारत गठबंधन पसंद नहीं करता है लेकिन उसने समर्थन के कई द्विपक्षीय रूपों को स्वीकार किया है।मैं यह सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका, ब्रिटेन और कई अन्य देशों के साथ निकट संपर्क में रहा हूं कि भारत का समर्थन करने के लिए एक मजबूत परियोजना हो, मुख्य तौर पर उसके 450 गीगावाट सौर ऊर्जा के लिए निवेश में।

टोरंटो (कनाडा) में भारी बर्फबारी के बाद एक सड़क से बर्फ को हटाते हुए एक गाड़ी।

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना का कहर, अस्पतालों में बढ़ रही मरीजों की संख्या

मेलबर्न।ऑस्ट्रेलिया में मंगलवार को कोविड-19 से रिकॉर्ड मौत दर्ज की गई और इसके दूसरे सबसे बड़े राज्य ने अस्पतालों में आपात स्थिति की घोषणा की जो कोरोना वायरस के चलते भर्ती मरीजों की संख्या बढ़ने और स्टाफ की कमी से जूझ रहे हैं। तीन सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में 74 मरीजों की मौत हुई। न्यू साउथ वेल्स में 36, विक्टोरिया में 22 और क्वींसलैंड में 16 मरीजों की मौत हुई। इससे पहले एक दिन में कोरोना वायरस के कारण सर्वाधिक 59 लोगों की मौत चार सितंबर, 2020 को हुई थी। संघीय स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने कहा कि ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि न्यू साउथ वेल्स में संक्रमण की दर चरम पर पहुंच रही है और विक्टोरिया में स्थिर होने वाली है। न्यू साउथ वेल्स की सरकार ने बेहद संक्रामक ओमीक्रोन स्वरूप से निपटने के लिए लॉकडाउन लगाने की संभावना से इनकार किया है। अक्टूबर में, सिडनी ने 108 दिनों का लॉकडाउन हटाया था क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में ज्यादातर लोगों का टीकाकरण हो चुका था। विक्टोरिया ने राज्य की राजधानी मेलबर्न के अस्पतालों और कई क्षेत्रीय अस्पतालों में स्टाफ की कमी और मरीजों के भर्ती होने में वृद्धि के कारण बुधवार दोपहर से आपातकाल घोषित कर दिया। लगभग 5,000 कर्मचारी अनुपस्थित हैं क्योंकि वे या तो संक्रमित हैं या करीबी संपर्क में हैं। यह पहली बार है जब राज्य के कई अस्पतालों में आपात स्थिति लगा दी गई है। करीब 2.6 करोड़ की आबादी वाले ऑस्ट्रेलिया में 2,700 लोगों की कोविड-19 के कारण मौत हो चुकी है।

अफगान महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से बाहर करने की कोशिश चिंता का विषय : संरा विशेषज्ञ

संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा। (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा महिलाओं और लड़कियों को सार्वजनिक जीवन से तेजी से हटाने की कोशिश पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि नस्ली और धार्मिक अल्पसंख्यकों जैसे हजारा, ताजिक, हिंदू और अन्य समुदायों की महिलाएं युद्ध ग्रस्त देश में और असुरक्षित हैं। संयुक्त राष्ट्र के 35 से अधिक स्वतंत्र मानवाधिकार विशेषज्ञों ने सोमवार को कहा, 'हम पूरे देश (अफगानिस्तान) के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं को बाहर करने की हो रही लगातार और व्यवस्थागत कोशिश को लेकर चिंतित हैं।'

उन्होंने कहा कि यह चिंता और बढ़ जाती है अगर मामला ह्य नस्ली, धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों का हो जैसे हजारा, ताजिक, हिंदू और अन्य समुदाय जिनके अलग विचार और दृश्यता उन्हें अफगानिस्तान में कहीं अधिक असुरक्षित बनाते हैं।' विशेषज्ञों ने कहा, 'आज हम देख रहे हैं कि तेजी से महिलाओं और लड़कियों को संस्थानों और प्रक्रिया सहित अफगानिस्तान के सार्वजनिक जीवन से मिटाने की कोशिश की जा रही है और उनकी सहायता और रक्षा करने के लिए पूर्व में गठित प्रणाली और संस्थानों को भीअधिक खतरा है।' उन्होंने अपनी इस राय के लिए महिला मामलों के मंत्रालय को बंद करने और अफगान स्वतंत्र मानवाधिकार आयोग में महिलाओं की आमने-सामने की उपस्थिति पर रोक का हवाला दिया।

विशेषज्ञों ने कहा कि गैर न्यायेतर हत्याओं और नस्ली व धार्मिक अल्पसंख्यकों के जबरन विस्थापन को लेकर आ रही खबरें बहुत ही परेशान करने वाली हैं। उन्होंने बताया कि खबरें संकेत करती हैं कि, 'जानबूझकर उनको निशाना बनाने, प्रतिबंधित करने और यहां तक देश से मिटाने की कोशिश की जा रही है।' समूह ने कहा कि तालिबानी नेता अफगानिस्तान में लैंगिक आधार पर भेदभाव, महिलाओं और लड़कियों के प्रति हिंसा को बड़े पैमाने पर एवं व्यवस्थागत तरीके से संस्थागत बना रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी का बयान, लीबिया में जून में कराए जा सकते हैं चुनाव

काहिरा। (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र की एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वह लीबिया को जून तक चुनाव कराने के लिए राजी करने का प्रयास कर रही हैं। देश लंबे वक्त तक शासन करने वाले तानाशाह मुअम्मर कद्दाफी की हत्या और 2011 के निष्कासन के बाद से अपने पहले राष्ट्रपति को निर्वाचित करने की दिसंबर की समय-सीमा चूक गया था। लीबिया पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष सलाहकार स्टेफनी विलियम्स ने रविवार देर रात बताया कि देश के 28 लाख मतदाताओं के लिए यह अब भी 'बहुत तर्कसंगत और संभव' होगा कि वे जून तक चुनाव कर लें, जो संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से तैयार 2020 रूपरेखा के अनुरूप होगा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को दी एक रिपोर्ट में कहा कि यह बहुत अहम है कि लीबिया की सभी पार्टियां, 'जितना जल्दी संभव हो मुक्त, निष्पक्ष, समावेशी एवं विश्वसनीय राष्ट्रपति एवं संसदीय चुनाव कराने पर ध्यान केंद्रित करें।' लीबिया 24 दिसंबर की तय तारीख पर अपना पहला राष्ट्रपति चुनाव कराने में असफल रहा था जो इस तेल समृद्ध भूमध्य राष्ट्र में दशकों से चले आ रहे संकट को समाप्त करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिए एक बड़ा झटका था। वहीं, एक अन्य रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बताया कि पूरे लीबिया में करीब 12,000 लोगों को 27 जेलों और निरोध केंद्रों में आधिकारिक रूप से हिरासत में रखा गया है जबकि कई हजार लोगों को अवैध तौर पर 'अमानवीय' तरीके से रखा गया है। रिपोर्ट में गुतारेस ने कहा कि लीबिया में संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक मिशन (यूएनएसएमआईएल) का सरकार और अन्य समूहों द्वारा संचालित केंद्रो में मनमानी हिरासत, यातना, यौन हिंसा और अंतरराष्ट्रीय कानून के अन्य उल्लंघनों के मामलों का दस्तावेजीकरण करना जारी है।

यूएई में हमले में मारे गए दोनों भारतीयों के परिवार को हर संभव मदद मुहैया कराएगा भारत: राजदूत

दुबई। (एजेंसी)

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत के राजदूत संजय सुधीर ने कहा कि अबू धाबी के हवाई अड्डे के पास संदिग्ध हूती ड्रोन हमले में मारे गए दो भारतीयों के परिवार को भारत हर संभव सहायता मुहैया कराएगा। यमन के हुती विद्रोहियों ने सोमवार को हुए हमले की जिम्मेदारी ली है, जिसमें दो भारतीय, एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए थे। विस्फोट 'छोटी-छोटी उड़ने वाली वस्तुओं' (संभवत: ड्रोन) के संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में तीन पेट्रोलियम टैंकर पर गिरने से हुआ। संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत संजय सुधीर ने सोमवार को 'द नेशनल' समाचारपत्र से बात करते हुए कहा कि भारत सरकार दो मृत भारतीय नागरिकों के परिवारों को 'जो भी सहायता संभव होगी' मुहैया कराएगा। भारतीय दूतावास ने हमले में मारे गए भारतीयों की पहचान अभी तक उजागर नहीं की है। इस बीच, हमले के एक दिन बाद विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने इसकी निंदा की और पीड़ितों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस और यूएई सशस्त्र बलों के उप सर्वोच्च कमांडर शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की।

सऊदी क्राउन प्रिंस ने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने भी हमले की 'कड़े शब्दों में' निंदा की। यूएई के विदेश मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के एक बयान में कहा, 'यूएई के पास इन आतंकवादी हमलों और आपराधिक कृत्यों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है।' विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद ने कहा कि 'अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी' (एडीएनओसी) ईंधन सुविधाओं और हवाई अड्डे पर हुए ड्रोन हमला करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। यूएई, 2015 से यमन के हुती विद्रोहियों के खिलाफ सऊदी के नेतृत्व वाले सैन्य अभियान का हिस्सा है।

अभिव्यक्ति की आड़ में पैगंबर को अपशब्द गलत, इमरान ने की पुतिन की तारीफ

वार्ता में द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार साझा किए

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की और द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार साझा किए। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के बयान के मुताबिक, बातचीत में खान ने पुतिन के उस कड़े बयान की प्रशंसा की, जिसमें रूसी राष्ट्रपति ने कहा था कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में पैगंबर को अपशब्द कहना गलत है। पुतिन के साथ फोन पर हुई बातचीत में इमरान ने कहा कि उन्होंने यूएन महासभा में अपने संबोधन में इस्लामोफोबिया और इससे संबंधित घृणा के संबंध में वृद्धि का उल्लेख किया है। साथ ही इसके गंभीर प्रभावों की ओर भी इशारा किया है। बयान के मुताबिक, खान ने राष्ट्रपति पुतिन के उस बयान की प्रशंसा की कि पवित्र पैगंबर मोहम्मद के अपमान करने को कलात्मक स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति के रूप में नहीं देखा जा सकता।

खान ने कहा, 'वह (पुतिन) ऐसे पहले पश्चिमी नेता हैं, जिन्होंने प्रिय पैगंबर के लिए मुसलमानों की भावनाओं के प्रति सहानुभूति और संवेदनशीलता दिखाई है।' खान ने कहा कि उनकी पाकिस्तान और रूस के बीच व्यापार और अन्य पारस्परिक हित वाले बिंदुओं पर आगे बढ़ने के तौर-तरीकों पर भी चर्चा हुई और दोनों ने एक-दूसरे को अपने-अपने देशों का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि पैगंबर मोहम्मद के अपमान को 'अभिव्यक्ति की आजादी' नहीं माना जा सकता। अपनी वार्षिक प्रेस कान्फ्रेंस में पुतिन ने कहा कि पैगंबर का अपमान 'धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन और इस्लाम को मानने वाले लोगों की पवित्र भावनाओं के खिलाफ है। अब पुतिन के इस बयान के समर्थन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान उतर आए हैं। इमरान खान खुद को मुसलमानों का सबसे बड़ा हमदर्द बताते हैं, हालांकि उइगरों पर होते अत्याचार पर उनके मुंह से एक शब्द भी नहीं निकलता। पुतिन ने अपने बयान में वेबसाइटों पर नाजियों की तस्वीरें पोस्ट करने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के काम चरमपंथ को जन्म देते हैं। पुतिन ने उदाहरण के तौर पर पेरिस में चार्ली हेब्दो मैग्जीन के संपादकीय कार्यालय पर हुए हमले का हवाला दिया जिसने पैगंबर के कार्टून प्रकाशित किए थे। कलात्मक स्वतंत्रता की तारीफ करते हुए पुतिन ने कहा कि इसकी कुछ सीमाएं हैं और इसे अन्य स्वतंत्रता का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

पृथ्वी से बहुत ही करीब से गुजरेगा विशालकाय ऐस्टरॉइड

वॉशिंगटन (एजेंसी)

विशालकाय ऐस्टरॉइड पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। लेकिन डरने की जरुरत नहीं है, क्योंकि यह किसी साइंस फिक्शन मूवी की तरह धरती से नहीं टकराएगा। दरअसल पृथ्वी से लगभग 1.2 मिलियन मील यानी करीब 20 लाख किमी की दूरी पर से गुजरेगा। यह पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से पांच गुना ज्यादा है। मंगलवार को इसके गुजरने की उम्मीद है। एस्टरॉइड 7482 (1994 पीसी1) का आकार लगभग एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के सामान है।

यह करीब आधा मिलियन चौड़ा हैं, नासा के वैज्ञानिक इस ट्रैक कर रहे हैं। इस 1994 में खगोलशास्त्री ने इस खोजा था। यह ऐस्टरॉइड हाल के हफ्तों में पृथ्वी के पास से गुजरने वाले कई बड़े एस्टरॉइड्स में से एक है। नासा ने ट्विटर पर पोस्ट किया था, नियर-अर्थ एस्टरॉइड 1994 पीसी1 बहुत प्रसिद्ध है, और दशकों से हमारे ग्रह रक्षा विशेषज्ञ इसका अध्ययन कर रहे हैं। आश्वस्त रहें कि 1994 पीसी1 सुरक्षित रूप से हमारे ग्रह के ऊपर से उड़ान भरेगा।' यूनिस्टेलर के मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी और वरिष्ठ ग्रह खगोलविद फ्रेंक मार्चिस ने बताया कि अगर यह ऐस्टरॉइड पृथ्वी से टकराता है,तब यह 'बड़े स्तर पर तबाही' मचा सकता है क्योंकि इसमें किसी परमाणु विस्फोट की तुलना में अधिक ऊर्जा है। हालांकि 1994 पीसी1 सिर्फ सुनने में खतरनाक लगता है लेकिन इससे चिंता करने की कोई बात नहीं है।इस देखने के लिए किसी के पास 6 इंच या उससे अधिक व्यास वाले टेलिस्कोप की जरूरत होगी। अंतरिक्ष में लाखों की संख्या में ऐस्टरॉइड घूम रहे हैं। इनमें से कई हर दिन पृथ्वी के करीब से गुजरते हैं। हालांकि, काफी कम एस्टरॉइड ही हैं, जो पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हैं।अब नासा के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि कुछ ऐस्टरॉइड्स हैं, जो बिना नजर में आए पृथ्वी तक पहुंच सकते हैं।इसतरह के ऐस्टरॉइड्स से पृथ्वी को खतरा भी हो सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि जिस तरह से पृथ्वी घूमती है और सूर्य की परिक्रमा करती है, उससे रात में हमारी ओर आने वाली वस्तुएं कम्प्यूटरीकृत दूरबीनों के एक नेटवर्क से बचकर निकल सकती हैं। ऐसा ही एक 100 मीटर लंबा ऐस्टरॉइड चुपके से साल 2019 में पृथ्वी से करीब 43,000 मील की दूरी से गुजरा था। इस ऐस्टरॉइड के पृथ्वी के पास से गुजरने के मात्र 24 घंटे पहले देखा गया था।

पृथ्वी पर मानव सभ्यता के जन्म से पहले कई ऐस?टरॉइड टकरा चुके हैं। हम जानते हैं कि उन्हीं में से एक ऐस?टरॉइड के कारण आज से 6 करोड़ 60 लाख साल पहले धरती से डायनासोर विलुप्त हुए थे। 150 किमी चौड़े इसी ऐस्टरॉइड के कारण मैक्सिको की खाड़ी के पास 10 किमी चौड़ा चिक्सुलब क्रेटर बना था। कई ऐस्टरॉइड थे जिनके कारण पृथ्वी की सतह और वायुमंडल को उनका आज वाला स्वरूप मिला था। शोधकताओं के मुताबिक, अगर धरती पर फिर से कोई बड़ा ऐस्टरॉइड टकराता है तो इससे न केवल भारी तबाही होगी, बल्कि वातावरण में ऑक्सिजन की मात्रा भी घट जाएगी।इसतरह मानव जीवन के अस्तित्व पर खतरा बढ़ सकता है। हालांकि, वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले 100 साल में धरती को किसी बड़े ऐस्टरॉइड से कोई खतरा नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यकर्ता को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा,

आपके वोट से मुझे और योगी जी को ताकत मिलाती

वाराणसी (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूपी विधानसभा चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद मंगलवार को पहली बार किसी राजनीतिक कार्यक्रम में अपनी वर्चुअल रैली की। पीएम मोदी काशी क्षेत्र के करीब दस हजार भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जुड़े। नमो एप ने पीएम मोदी व कार्यकर्ताओं के बीच संवाद सूत्र का काम किया। वाराणसी के भाजपा कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुबह नमो एप के माध्यम से संवाद शुरू किया। वाराणसी में शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के बूथ अध्यक्ष श्रवण कुमार रावत से भोजपुरी में हालचाल पूछा। पीएम ने पूछा कि बाबा विश्वनाथ धाम के दर्शन किए। श्रवण ने बताया कि कुछ दिन पहले ही सपरिवार गया था। उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ कर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के नव्य-भव्य स्वरूप के बारे में बताया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने श्रवण से आग्रह किया कि अपनी टीम के साथ काशी में और स्वच्छता बढ़ाएं।उन्हें जिम्मेदारी सौंपी कि काशी आने वाले पर्यटकों को कबीरचौरा और संत रविदास मंदिर के दर्शन भी कराएं। इनके विकास के लिए भी सरकार ने बहुत काम किए हैं। इस दौरान महामना मंडल की बूथ अध्यक्ष सीमा कुमारी से पीएम ने पूछा कि इधर कोरोना संक्रमण बढ़ गया है। इसके बाद जनसंपर्क कैसे हो पा रहा है। सीमा ने कहा कि सर, दो गज दूरी, मास्क जरूरी मंत्र का पालन करते हुए हम सबसे मिलजुल रहे हैं। तभी पीछे से किसी के खांसने की आवाज सुनकर पीएम ने बड़े आत्मीय भाव से पूछा कि किसी के खांसने की आवाज आ रही। कोई घर में बीमार है क्या..? सीमा ने कहा, जी नहीं। सब ठीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीमा से भोजपुरी में कहा कि आप जइसन बहिनन क ताकत ही हमार ताकत ह, देश के ताकत ह। इस दौरान पीएम मोदी ने कार्यकर्ता नारायण से स्वास्थ्य सेवाओं का हाल पूछा। नारायण ने उन्हें बताया कि स्थिति काफी ठीक है। आयुष्मान कार्ड से गरीब अपना इलाज हुआ हैं, दवाएं उपलब्ध हैं। इस दौरान पीएम ने नए बने अस्पतालों का हाल भी जाना। इसके बाद पीएम ने कहा कि काशी के ज्यादा से ज्यादा लोगों से बातचीत का मौका मिलता तब अच्छा रहता। लेकिन समय की सीमा रहती है। आप सभी के मैसेज मैं पढ़ता हूं और अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि माइक्रो डोनेशन-सूक्ष्म दान अभियान चल रहा है। आप पांच रुपया भी पार्टी को दान दे सकते हैं। क्या हम बूथों के बीच स्पर्धा करा सकते हैं कि कौन सा पोलिंग बूथ कितना दान इकठ्ठा करा सकता है। हमें पैसा नहीं जुटाना, पांच रुपया-दस रुपया काफी है।

कान्हा की नगरी में अभी तक नहीं जीत सकी सपा, इस बार जंयत चौधरी के साथ दिख रही उम्मीद

लखनऊ(एजेंसी) ।

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण में भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में भी वोटिंग होनी है।मथुरा जिले की सभी सीटों के लिए बीजेपी, बसपा, कांग्रेस और सपा-आरएलडी ने अपने-अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। मथुरा वहां जिला है, जहां सपा को अभी तक चुनावी जीत नहीं मिली है।मुलायम से लेकर अखिलेश यादव तक मथुरा में जीतने के लिए हर कोशिश कर चुके हैं, लेकिन जीत नहीं मिली। हालांकि, भगवान श्रीकृष्ण को यदुवंशी कुल का माना जाता है।अखिलेश यादव ने भगवान श्रीकृष्ण को अपना कुल देवता भी बताया था।अखिलेश ये भी कह रहे हैं, कि उनके सपने में भगवान श्रीकृष्ण आ रहे हैं।सपा का गठन 1992 में हुआ था। तब से तीन बार मुलायम सिंह यादव और एक बार अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रहे, लेकिन कृष्ण नगरी मथुरा से सपा की साइकिल पर सवार होकर कोई भी नेता विधानसभा नहीं पहुंच पाया है। साल 1992 से लेकर 2019 तक हुए विधानसभा और लोकसभा चुनाव में सपा न तो मथुरा में किसी सीट पर विधायक बना और न ही कभी कोई सांसद चुना गया है।इस बार अखिलेश आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी के साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरे हैं, और सपा मथुरा के दो सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसके बाद भी उसके सामने बीजेपी, बसपा और कांग्रेस से कड़ी चुनौती है।कान्हा की नगरी मथुरा में जीत के लिए मुलायम के बाद अखिलेश ने जयंत चौधरी के साथ हाथ मिलाकर सियासी प्रयोग करने की कवायद की है।इसी के तहत 2 सीटों पर सपा चुनाव लड़ रही है, जबकि तीन सीटों पर आरएलडी मैदान में है। हालांकि, मांट विधानसभा सीट पर सपा और आरएलडी दोनों ही पार्टियां फ्रेंडली चुनावी मैदान में है। देखना है कि इस बार सपा को क्या सियासी सफलता मिलती है। दरअसल, मथुरा जाट और ब्राह्मण बहुल जिला माना जाता है। यहां पर सपा का कोर वोटबैंक यादव और मुस्लिम बड़ी संख्या में नहीं हैमथुरा जिले में यादव समाज के करीब 17 गांव और 24 मजरा हैं। जिले में करीब 70 से 80 हजार यादव वोटर जबकि मथुरा और वृंदावन सीट पर 15 से 20 हजार यादव समाज का वोट है। मथुरा सीट पर मुस्लिम वोटर है, लेकिन बाकी दूसरी सीटों पर बहुत बड़ी संख्या में नहीं है।

300 यूनिट फ्री बिजली को लेकर कल से अभियान चलाएगी सपा

लखनऊ । यूपी विधानसभा चुनाव में 300 यूनिट फ्री बिजली के वादे के साथ उतरी समाजवादी पार्टी कल से इसे लेकर अभियान शुरू करेगी। आज सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'नाम लिखाएं-300 यूनिट फ्री बिजली पाएं' शुरू करने का ऐलान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। समाजवादी पार्टी के लखनऊ मुख्यालय पर बुलाई गई इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि जो लोग भी मुफ्त बिजली पाना चाहते हैं वे सपा द्वारा दिए जाने वाले फार्म में अपना नाम लिखवाएं। लोग वही नाम लिखवाएं जिनके नाम से बिजली का बिल आता है। जिन लोगों के पास घरेलू कनेक्शन हैं वे इस फार्म में नाम लिखाएं। जिन लोगों के पास घरेलू कनेक्शन अभी नहीं है लेकिन भविष्य में लेने हैं वे भी राशन कार्ड या आधार कार्ड में लिखा नाम ही फार्म में नाम लिखाएं। अखिलेश यादव ने कहा कि जल्द ही पार्टी का घोषणा पत्र आने वाला है। सपा ने घरेलू कनेक्शनों पर तीन सौ यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा किया है। यह एक महत्वपूर्ण वादा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में बिजली की दरें काफी महंगी होने और बिजली बिल वसूली के नाम पर लोगों का उत्पीड़न किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूपी के आम लोगों को लगातार बढ़े हुए बिजली के बिल मिले हैं। कई लोगों पर एफआईआर हुई। लोगों को उत्पीड़ित किया गया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि वे लगातार कोविड नियमों का पालन कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में वीकेंड लॉकडाउन से परेशान हो रहे कारोबारी

जम्मू (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में कोरोना संक्रमण के 2,827 नए मामले सामने आए हैं, संक्रमण से पांच और लोगों की मौत हुई है।अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार को सामने आए नए मामलों में जम्मू संभाग में 1,093 जबकि कश्मीर संभाग में 1,734 मामले सामने आए।इनदिनों जम्मू-कश्मीर में 17,928 मरीज उपचाराधीन हैं। दूसरी ओर केंद्र शासित प्रदेश में कोरोना संक्रमण के चलते लगे वीकेंड लॉकडाउन से जम्मू के कारोबारी परेशान नजर आ रहे हैं और प्रशासन के फैसले के खिलाफ नाराजगी जता रहे हैं। जम्मू के व्यापारियों ने कहा कि अर्थव्यवस्था पहले से ही संघर्ष कर रही है,इसके बाद सप्ताहांत पर लगी पाबंदियां नई परेशानियां खड़ी कर रही हैं। जम्मू के व्यापारियों ने कहा कि यह कारोबार का पीक सीजन है,इसकाण सरकार को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोरोना को रोकना है,तब वह दो दिन की तालाबंदी से नहीं रूकेगा। कारोबारियों का यह भी कहना है कि जम्मू-कश्मीर में अन्य राज्यों की अपेक्षा संक्रमण के मामले बेहद कम हैं, लेकिन पाबंदियां बहुत ज्यादा हैं।

फॉर्च्यूनर गाड़ी से मिले नोटों से भरे दो बैग दो लोग हिरासत में

नोएडा (एजेंसी)।

नोएडा पुलिस ने मंगलवार को चेकिंग के दौरान को एक फॉर्च्यूनर गाड़ी के अंदर से करीब 1 करोड़ की नकदी बरामद की है। गाड़ी में इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद पुलिस ने गाड़ी चालक से पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि यह रकम दिल्ली से नोएडा लाई जा रही थी। बताया जा रहा है कि अखिलेश दिल्ली के एक बड़े कपड़ा व्यापारी के पार्टनर का ड्राइवर है। जानकारी के अनुसार, नोएडा थाना सेक्टर-24 पुलिस व स्थैतिक निगरानी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मंगलवार को वाहनों की चेकिंग के दौरान नोएडा स्टेडियम चौराहा से सफेद रंग की एक फॉर्च्यूनर कार नंबर DL10CL5201 के अंदर से 99,30,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। कार का चालक अखिलेश निवासी वजीरपुर दिल्ली और कार में सवार अरुण निवासी करोल बाग दिल्ली नकदी के संबंध में कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। फिलहाल पुलिस द्वारा रकम को सीज करके नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि अखिलेश यह फॉर्च्यूनर कार को चला रहा था। अखिलेश और उसका साथी अरुण फॉर्च्यूनर गाड़ी में 99 लाख से अधिक की रकम नोएडा की तरफ लेकर आ रहे थे। उसी दौरान सेक्टर-24 थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेडियम के पास पुलिस ने इस गाड़ी को चेकिंग के लिए रोक लिया। गाड़ी की तलाशी लेने के दौरान उसके अंदर से रुपयों से भरे दो बैग मिले, जिसके बाद पुलिस ने कार चालक और उसके साथी को हिरासत में ले लिया। बता दें कि, आगामी विधानसभा यूपी विधानसभा चुनाव-2022 को सकुशल व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए नोएडा पुलिस द्वारा अवैध हथियारों, शराब व अन्य प्रतिबंधित सामान आदि की तस्करी रोकने के लिए गौतमबुद्धनगर से सटे सभी जिलों के बॉर्डर और विभिन्न थाना क्षेत्रों में संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा, दादरी और जेवर सीटों पर पहले चरण के मतदान के दौरान तीन विधानसभा सीटों के लिए 10 फरवरी को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे के बीच मतदान होगा। चुनाव के नतीजे 10 मार्च को घोषित किए जाएंगे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गौतम बौद्ध नगर में तीन विधानसभा क्षेत्र नोएडा, दादरी और जेवर हैं, जिनमें क्रमशः 6.90 लाख, 5.86 लाख और 3.46 लाख मतदाता हैं।

बसपा ने भी चला सपा वाला दांव यूपी चुनाव के लिए इन 10 छोटे दलों से गठबंधन का ऐलान

लखनऊ (एजेंसी) ।

उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 10 छोटे दलों से गठबंधन किया है। बीएसपी महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने इसका ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि बसपा को इंडिया जनशक्ति पार्टी, पच्चासी परिवर्तन समाज पार्टी, विश्व शांति पार्टी, संयुक्त जनादेश पार्टी, आदर्श संग्राम पार्टी, अखंड विकास भारत पार्टी, सर्वजन आवाज पार्टी, आधी आबादी पार्टी, जागरूक जनता पार्टी, सर्वजन सेवा पार्टी समर्थन मिला है। सतीश चंद्र मिश्रा ने कहा आदरणीय बहन सुश्री मायावती जी के विकासशील विचारों से प्रेरित होकर बहुजन समाज पार्टी को 10 राजनीतिक दलों ने अपना समर्थन दिया है और सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की विचारधारा के साथ आगे बढ़ने और कार्य करने का संकल्प लिया है। बसपा नेता ने कहा, ''हमें पूरा विश्वास है कि आप सभी के समर्थन व सहयोग से बहुजन समाज पार्टी को और ऊर्जा व गति मिलेगी और हम सब मिलकर जनता के आशीर्वाद से यूपी में 5वीं बार बहन जी को मुख्यमंत्री बनायेंगे, जिससे हमारा उत्तर प्रदेश पुनः प्रगति व समृद्धि के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें। बता दें, कि यूपी के मुख्य विपक्षी दल सपा ने भी इस विधानसभा चुनाव के लिए छोटे दलों संग गठबंधन की रणनीति अपनाई है।

पिछले विधानसभा चुनाव में पहले कांग्रेस और फिर लोकसभा चुनाव में बसपा से गठबंधन के बावजूद सफलता नहीं मिलने के बाद अखिलेश यादव ने साफ कर दिया था कि वह किसी बड़े दल से गठबंधन नहीं करेंगे और छोटे दलों को साथ जोड़कर बड़ी ताकत खड़ी करेंगे। सपा ने सुभासपा, रालोद और महान दल जैसी पार्टियों से गठबंधन किया है।

कांग्रेस ने अपने चाटुकारों को औने-पौने दाम पर स्पेक्ट्रम बेचा, कैबिनेट को भी अंधेरे में रखा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

मोदी सरकार में **वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण** ने एंट्रिक्स-देवास मामले में मंगलवार को कांग्रेस को आड़े हाथों लेकर कहा कि एक बहुत बड़ा घोटाला था। इसमें राष्ट्रीय हितों की अनदेखी कर एक निजी कंपनी को खास स्पेक्ट्र्म दिया गया। कांग्रेस ने अपने चाटुकारों को औने-पौने दाम पर यह खास स्पेक्ट्रम बेचा और कैबिनेट को भी मामले में अंधेरे में रखा। सीतारमण ने कहा कि कैबिनेट को इस डील की जानकारी नहीं थी। 90 फीसदी सैटेलाइट निजी पार्टी को दे दिए गए थे जो अभी लांच भी नहीं हुए थे।2011 में इंटरव्यू में तब के दूरसंचार मंत्री कपिल सिब्बल ने कहा था कि कैबिनेट को इसकी जानकारी नहीं है। इसरो पीएमओ के तहत आता है। देवास ने देवास डेवाइस के जरिए कई तरह की सर्विसेज देने का वादा किया। लेकिन जब डील हुई,तब इनमें किसी भी सर्विस का वजूद नहीं था। आज भी इनका कोई वजूद नहीं है।मोदी सरकार हर कोर्ट में यह लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि 2005 में अंतरिक्ष और देवास में डील हुई थी। तब देश में यूपीए की कांग्रेस सरकार थी। मोदी सरकार को डील के बाद इस कैंसल करने में छह साल लगे। यह राष्ट्रीय हितों के खिलाफ था। यह देश के लोगों के साथ धोखा था। फरवरी 2011 में यूपीए ने एग्रीमेंट को कैंसल किया। तब कांग्रेस के मंत्रियों ने कई बयान दिए थे। तब एक तत्कालीन मंत्री को गिरफ्तार किया गया था। यह एक बहुत बड़ा घोटाला था। एक निजी कंपनी को खास स्पेक्ट्र्म दिया गया। 10-11 साल के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसमें आदेश दिया है। इससे साफ है कि कांग्रेस ने सत्ता का दुरुपयोग किया।

वित्त मंत्री ने कहा कि 2011 में देवास आईसीसी में गई। जुलाई 2011 में एंट्रिक्स को एक आर्बिटेटर नियुक्त करने के लिए कहा गया लेकिन सरकार ने उस ऐसा नहीं करने दिया। अगस्त 2011 में एंट्रिक्स को इसके लिए 21 दिन दिए गए। लेकिन सरकार ने फिर ऐसा नहीं किया।तब की कांग्रेस सरकार डेमेज के नाम पर धोखेबाजों को पैसा देना चाहती थी। मोदी सरकार के आने के बाद हम इस लड़ाई को लड़ रही है। कांग्रेस ने अपने चाटुकारों को औने-पौने दाम पर एस बैंड बेच दिए। आज वे आर्बिटेशन के जरिए करोड़ों डॉलर मांग रहे हैं। आर्बिटेशन ट्रिब्यूनल्स ने एंट्रिक्स डील कैंसल होने पर देवास के शेयरहोल्डर्स को 1.2 अरब डॉलर कॉस्ट और ब्याज का अवॉर्ड दिया है।

बिहार में हम साथ-साथ हैं यूपी में हम आपके हैं कौन

लखनऊ (एजेंसी) ।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में बिहार के कई राजनीतिक दलों की एंट्री हो गई है। यूपी में बीजेपी के साथ गठबंधन नहीं होने के कारण बिहार एनडीए के घटक दलों, जेडीयू, वीआईपी और हम, ने अकेले चुनावी मैदान में उतरने का निर्णय ले लिया है। जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव और यूपी प्रभारी केसी त्यागी ने मंगलवार (18 जनवरी) को लखनऊ में पार्टी राज्य इकाई कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करेंगे। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय इस्पात मंत्री आरसीपी सिंह ने यूपी में विधानसभा चुनाव से पूर्व गठबंधन को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और बीजेपी यूपी प्रभारी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ कई दौर की बातचीत की, लेकिन बीजेपी नेतृत्व की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। जेडीयू नेता ने कहा कि यूपी में 10 फरवरी को होने वाले पहले चरण के लिए होने मतदान को लेकर नामांकन करने के लिए अब मात्र चार दिन ही शेष बचे हैं। बीजेपी की ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण जेडीयू ने अपने दम पर विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। वहीं बिहार की जमुई लोकसभा सीट से सांसद चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास ने उत्तर प्रदेश की 100 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों को उतारने का फैसला किया है। लोजपा प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मणिशंकर पांडे ने कहा कि पार्टी ने 60 उम्मीदवारों की सूची केंद्रीय इकाई को भेजी है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व मंगलवार को उम्मीदवारों को अंतिम रूप दे सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी कैडर को जुटाने के लिए विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में एक डिजिटल अभियान शुरू किया है। इसके अलावा हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के नेता और बिहार सरकार में मंत्री संतोष सुमन मांझी ने अगस्त 2021 में लखनऊ में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी। पार्टी ने यूपी में बीजेपी के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया। हम का पूर्वी यूपी में बसे मांझी, मछुआ और केवट समुदायों पर प्रभाव है। हम के एक नेता ने कहा कि भाजपा से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद पार्टी ने यूपी विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ने का फैसला किया था। बिहार के पशुपालन मंत्री मुकेश साहनी के नेतृत्व वाली विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने 165 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। इनमें से अधिकांश सीटें निषाद समुदाय के प्रभुत्व वाले पूर्वी यूपी में स्थित हैं। वीआईपी ने पिछले साल 25 जुलाई को डाकू से नेता बनी फूलन देवी की पुण्यतिथि के अवसर पर विभिन्न जिलों में कार्यक्रम आयोजित करके यूपी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। साहनी ने दिसंबर में पार्टी कैडर को जुटाने के लिए लखनऊ, वाराणसी और अन्य जिलों में सभाओं को संबोधित किया।

संक्षिप्त समाचार

93.3 फीसदी लोगों की पंसद से भगवंत मान बने आप के सीएम उम्मीदवार

मानसा । पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने मुख्यमंत्री के चेहरे की घोषणा कर दी है। बता दें कि पार्टी की ओर से भगवंत मान को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाया गया है। आप के राष्ट्रीय संजोयक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब चुनाव के लिए पार्टी की तरफ से पंजाब के अगले मुख्यमंत्री और पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा औपचारिक रूप से भगवंत मान हैं। इस दौरान भगवंत मान भावुक हो गए और उन्हें पार्टी नेता राघव चड्ढा समेत सभी नेताओं ने बधाई दी। केजरीवाल ने बताया कि 93.3 फीसदी लोगों ने भगवंत मान का नाम लिया। दूसरे स्थान पर नवजोत सिंह सिद्धू थे जिन्हें 3.6 प्रतिशत वोट मिले।इसके बाद पंजाब में आम आदमी पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा भगवंत मान को बनाया जाता है। दरअसल, केजरीवाल ने 13 जनवरी को पंजाब की जनता से मुख्यमंत्री पद के लिए अपने पसंदीदा उम्मीदवारों के नाम बताने की अपील की थी।अभियान के तहत पार्टी को 22 लाख से अधिक लोगों की प्रतिक्रियाएं मिलीं। उस वक्त केजरीवाल ने कहा था कि वह आप सांसद भगवंत मान को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करना चाहते थे, लेकिन मान ने यह फैसला पंजाब की जनता पर छोड़ने पर जोर दिया।

शराब पीने वालों को अब जेल नहीं, शराबबंदी कानून में हो सकता है संशोधन

-जदयू के शीर्ष अधिकारी ने कहा- सरकार इस मुद्दे की समीक्षा के लिए तैयार

पटना। न्यायालय में मद्य निषेध से जुड़े लंबित मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नीतीश सरकार शराबबंदी कानून में संशोधन कर सकती है। जदयू के एक शीर्ष अधिकारी के मुताबिक राज्य सरकार इस मुद्दे की समीक्षा के लिए तैयार है और बिहार विधानसभा के आगामी बजट सत्र में एक प्रस्ताव पेश किए जाने की संभावना है। प्रस्ताव के अनुसार शराब के नशे में पकड़े जाने वालों को मौके पर ही जुर्माना भरकर छोड़ा जा सकता है। हालांकि, यह दोहराने वाले अपराधियों पर लागू नहीं होता है। शराबबंदी कानून के मानदंडों का बार-बार उल्लंघन करने वाले व्यक्ति को जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक शराब की तस्करी में इस्तेमाल होने वाले वाहन को जुर्माना भरने के बाद छोड़ा जा सकता है। पिछले चार महीनों में विभिन्न जिलों में जहरीली शराब की त्रासदियों की एक श्रृंखला के बाद मुख्यमंत्री भारी राजनीतिक दबाव में हैं, जिसमें 80 से अधिक लोगों की जान चली गई है और कई अन्य लोगों की आंखों की रोशनी चली गई है। हालांकि शराब बनाने और बेचने वालों पर पहले की तरह ही सख्त कार्रवाई होगी। इस संशोधन प्रस्ताव पर विभागीय मंत्री और अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। शराब की त्रासदी मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, बेतिया, समस्तीपुर, वैशाली, नवादा और अब सीएम के जिला नालंदा में हुई। यह मुद्दा नीतीश कुमार सरकार को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है, खासकर ऐसे वक्त में जब भाजपा और हम बेहद मुखर नजर आ रहे हैं। हाल ही में पटना उच्च न्यायालय ने भी उनकी सरकार की आलोचना की थी। अदालत ने कहा कि बड़ी संख्या में शराब से जुड़े मामले लंबित हैं, जिससे न्यायिक व्यवस्था पर भारी बोझ पड़ा है। इसी को ध्यान में रखते हुए नीतीश कुमार सरकार को चाहिए कि सभी 38 जिलों में शराब से जुड़े मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए और अदालतें स्थापित करें।

जीजेईपीसी की मांग, सोने पर आयात शुल्क 7.5 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत करे

नई दिल्ली । रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने आगामी बजट के लिए अपनी सिफारिशों में मोदी सरकार से सोने पर आयात शुल्क 7.5 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही परिषद ने क्षेत्र के लिए विशेष पैकेज देने की भी मांग की है। जीजेईपीसी ने अपनी बजट पूर्व सिफारिशों में कटे और पॉलिश किए गए हीरों और रत्नों पर आयात शुल्क 7.5 प्रतिशत से घटाकर 2.5 प्रतिशत करने का सुझाव दिया है। परिषद ने कहा, अगर (सोना को) चार प्रतिशत शुल्क दर पर आयात किया जाता है,तब 500 करोड़ रुपये के बजाय 225 करोड़ रुपये की कार्यशील पूंजी ही अवरुद्ध होगी।'' इसके अलावा परिषद ने मुंबई के विशेष अधिसूचित क्षेत्र में कच्चे हीरों की बिक्री के लिए कराधान प्रावधानों में संशोधन, अंतरराष्ट्रीय हीरा नीलामियों के लिए ऑनलाइन समानीकरण उपकर पर स्पष्टीकरण और सेज इकाइयों के लिए सनसेट क्लॉज का विस्तार जैसे सुझाव भी दिए। जीजेईपीसी के अध्यक्ष ने कहा कि भारत रत्न और आभूषण का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक है, जिसकी वैश्विक रत्न और आभूषण निर्यात में 5.8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा, ''हम इस क्षेत्र के लिए (चालू वित्तवर्ष में) 41 अरब अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य हासिल करने वाले है। अब हमने भारत की आजादी के शताब्दी वर्ष में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात का लक्ष्य तय किया है। इस क्रम में हम सरकार से अपील करते हैं कि आगामी आम बजट में इस क्षेत्र के लिए एक विशेष पैकेज की घोषणा करें।'' उन्होंने कहा, ''इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने का एकमात्र तरीका नीतिगत सुधार है, जो हमें वैश्विक बाजार में और अधिक प्रतिस्पर्धी बना देगा।''

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में भाग लो ईनाम जीतो

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने पर ईनाम जीतो

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई